• जयपुर, शनिवार, 20 जुलाई 24 • वर्ष 13 • अंक 328 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com
डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950
दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम
चमकता राजस्थान
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
विज्ञापन के लिए : 93145 05000
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 जयपुर विकास प्राधिकरण में ट्रेफ़िक कन्ट्रोल बोर्ड की हुई समीक्षा.....
पेज @4 राज्य कैबिनेट की बैठक में 27 प्रस्तावों की पारित...
पेज @8 » अंगदान को लेकर सामाजिक चेतना जाग्रत करने में...

कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के सम्बंध में हुआ त्रिपक्षीय एमओयू

आमजन को मिलेगी अत्याधुनिक हवाई सुविधा, पर्यटन को लगेंगे पंखः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर, 19 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के विकास को लेकर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, नगरीय विकास विभाग एवं नागरिक उड्डयन विभाग के मध्य हुए त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को अत्याधुनिक हवाई सुविधाएं उपलब्ध कराने के क्रम में कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट मील का पत्थर साबित होगा। इसके निर्माण से प्रदेश में ना केवल पर्यटन को गति मिलेगी अपितु शिक्षा एवं व्यापारिक गतिविधियों में भी इजाफा होगा। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति में विमानन क्षेत्र का विकास अहम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जिस गति से सड़क एवं रेल मार्ग का विस्तार हो रहा है, उसी स्केल पर हवाई क्षेत्र पर फोकस किया जा रहा है। शिक्षा एवं उद्योगों की नगरी कोटा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण से हाडौती अंचल के लाखों निवासियों को हवाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। हमारी सरकार के संकल्प की सिद्धि में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल की क्षमता का भी विस्तार किया जा रहा है। वर्तमान में इसकी क्षमता 50 लाख यात्री प्रतिवर्ष है जो विस्तार के बाद बढ़कर 70 लाख प्रतिवर्ष हो जाएगी। उन्होंने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष से आग्रह किया कि जयपुर एयरपोर्ट पर नए स्टेट टर्मिनल के लिए शीघ्र कार्य शुरू करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उदयपुर हवाई अड्डे के विकास और विस्तार तथा उत्तरलाई (बाड़मेर) हवाई अड्डे पर स्थाई सिविल एन्क्लेव एवं अप्रोच रोड के लिए निःशुल्क भूमि उपलब्ध करवाएगी।

ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की डीपीआर हो रही तैयार

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री संजीव कुमार ने बताया कि कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है। इसके बाद टेण्डर आमंत्रित किए जाएंगे। नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री टी. रविकान्त ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का निर्माण 440.086 हैक्टेयर भूमि पर किया जाएगा। कोटा विकास प्राधिकरण की परिधि सीमा में यह भूमि राजस्व ग्राम तुलसी, कैथुदा, बालापुरा एवं देवरिया, जिला बूंदी में स्थित है। इसमें से 406.678 हैक्टेयर वन भूमि एवं 33.408 हैक्टेयर गैर वन भूमि कोटा विकास प्राधिकरण के स्वामित्व की है।

एयरपोर्ट के निकट क्षेत्र का हो सुनियोजित विकास

» मुख्यमंत्री ने कोटा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रस्तावित एयरपोर्ट के आस-पास सुनियोजित विकास का रोडमैप तैयार करें। एयरपोर्ट के आस-पास की जमीन को अधिग्रहण या लैंड पूलिंग एक्ट के माध्यम से नियोजित कर क्षेत्र के विकास की कार्यवाही सम्पादित की जाए।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विमानन क्षेत्र का हो रहा निरंतर विस्तार

» शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के विमानन क्षेत्र में तीव्र गति से विकास हो रहा है। लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने भी कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए विशेष प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार का कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए नकारात्मक रवैया रहा जिसके कारण इस प्रोजेक्ट में देरी हुई। लेकिन अब हमारी सरकार इस एयरपोर्ट का कार्य समय पर पूरा करते हुए इसे जनता को समर्पित करेगी।

राज्य सरकार देगी निःशुल्क भूमि, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण करेगा निर्माण और संचालन

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट निर्माण के लिए भूमि निःशुल्क उपलब्ध करवाएगी। वहीं ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण, विकास एवं संचालन की सम्पूर्ण जिम्मेदारी भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की होगी। उन्होंने बताया कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को एयरपोर्ट के सर्वे की अनुमति दे दी है। साथ ही, एयरपोर्ट की प्रस्तावित भूमि में से पीजीसीआईएल (पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) की 400 केवी की हाइटेंशन लाइन शिफ्ट करने की आवश्यक कार्यवाही हो चुकी है और इसके लिए राशि भी उपलब्ध करा दी जाएगी।

इस अवसर पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री संजीव कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एवं नागरिक उड्डयन श्री शिखर अग्रवाल एवं नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री टी. रविकान्त ने कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए। बैठक में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर, नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम कुमार दक, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री हीरालाल नागर, नगरीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री झाबर सिंह खर्रा, विधायक श्री संदीप शर्मा, श्रीमती कल्पना देवी, मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त, श्री अखिल अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण, श्रीमती अपर्णा अरोरा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज अपडेट

अगले चार-पांच दिन हिमाचल के कुछ जिलों में भारी बारिश का अनुमान, ऑरेंज अलर्ट जारी

शिमला/एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के कुछ जिलों में अगले चार-पांच दिन भारी बारिश का अनुमान है। इसको लेकर मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। हिमाचल प्रदेश में अभी तक सामान्य से कम बारिश हुई है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अगस्त में मानसून रफ्तार पकड़ सकता है। अगले कुछ दिनों में भारी बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने बताया कि अगले तीन-चार दिनों तक प्रदेश में वर्षा में तेजी आने की संभावना है। इसके लिए विभाग ने अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के चार जिले शिमला, मंडी, कांगड़ा और बिलासपुर में सामान्य के आस-पास वर्षा हुई है, जबकि बाकी क्षेत्रों में बारिश सामान्य से कम हुई है। उन्होंने बताया, सबसे कम बारिश लाहौल स्पीति, सिरमौर, सोलन और ऊना में हुई है। उन्होंने कहा कि जुलाई में मानसून कम असरदार रहेगा, जबकि अगस्त की शुरुआत में मानसून के रफ्तार पकडने़ की उम्मीद है।

माइक्रोसॉफ्ट की खराबी के कारण हैदराबाद एयरपोर्ट ने जारी की एडवाइजरी, 23 उड़ाने रद्द

हैदराबाद/एजेंसी। माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक खराबी के कारण शुक्रवार को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 23 घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं। हैदराबाद एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि आईटी सेवाओं में व्यवधान के कारण विभिन्न एयरलाइनों को 12 टेक ऑफ और 11 लैंडिंग रद्द करनी पड़ी। दोपहर तक यही स्थिति थी। आईटी सेवाएं अभी तक बहाल नहीं होने के कारण रद्द उड़ानों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है। एयरपोर्ट ने यात्रियों को भेजे संदेश में कहा, हम अपने यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए अपने सभी साथियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

सीएम योगी ने दिए आदेश : कांवड़ मार्गों पर दुकानों में लगानी होगी नेम प्लेट

लखनऊ/एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में कांवड़ मार्गों पर खाने-पीने की दुकानों पर नेमप्लेट वाला नियम अब पूरे यूपी में लागू होगा। मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में कांवड़ मार्गों पर खाने-पीने की दुकानों के मालिकों को नेमप्लेट लगाने का आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि कांवड़ मार्गों पर खाद्य सामग्री बेचने वाले दुकानों पर संचालक मालिक

का नाम और पहचान लिखना होगा। कांवड़ यात्रियों की आस्था की शुचिता बनाए रखने के लिए ये फैसला लिया गया है। साथ ही कहा गया है कि हलाल सर्टिफिकेशन वाले प्रोडक्ट बेचने वालों पर कार्रवाई होगी।

भाजपा ने मुजफ्फरनगर पुलिस के कांवड़ मार्ग पर पडने़ वाली सभी दुकानों पर मालिक और काम करने वाले लोगों का नाम लिखने वाले निर्देश का बचाव किया है। बीजेपी के सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'भारत की 'धर्मनिरपेक्षता' इतनी कमजोर नहीं हो सकती है कि सभी भोजनालयों को मालिक व श्रमिकों के नाम और संपर्क नंबर प्रदर्शित करने के लिए जारी एक समान आदेश इसे नुकसान पहुंचाए। मुजफ्फरनगर पुलिस के आदेश पर देशभर में प्रतिक्रिया आई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पुलिस के इस फैसले को सामाजिक अपराध बताया था। वही ढ्ढरूढ्ढरू प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने तानाशाह फैसला बताया था। वहीं, गीतकार जावेद अख्तर ने इस फैसले की तुलना जर्मनी के नाजी शासन से की थी।

हिमंत का बड़ा ऐलान, मुस्लिम विवाह कानून होगा रद्द

नई दिल्ली/एजेंसी। असम सरकार राज्य में मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम को निरस्त करेगी। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। इन दोनों कानूनों को निरस्त करने के लिए गुरुवार को कैबिनेट मेंअसम रिपीलिंग बिल यानी असम निरसन

अध्यादेश को मंजूरी दे दी है, सीएम सरमा ने ऐलान किया है कि अब इस निरसन विधेयक को विधानसभा में रखा जाएगा। विवाह और तलाक के पंजीकरण में समानता लाने के लिए राज्य मंत्रिमंडल ने गुरुवार को असम रिरसन विधेयक को मंजूरी दे दी है। सीएम ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि इस बिल का उद्देश्य असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 और असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण नियम, 1935 को निरस्त करना है।

बजट सौगातों के लिए लालसोट की जनता ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

युवा, किसान, महिला, गरीब सहित सभी वर्गों को सशक्त बनाता बजट : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर, 19 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के पहले ही बजट में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में हर वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हम केवल चुनावी घोषणा ही नहीं करेंगे बल्कि योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन कार्यों का शिलान्यास हम करेंगे उनका उद्घाटन भी हमारी सरकार द्वारा किया जाएगा।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर लालसोट विधानसभा क्षेत्र के निवासियों की आभार सभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का वर्ष 2024-25 का परिवर्तित बजट प्रत्येक क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिससे विकास का रोडमेप तैयार हो तथा विकसित राजस्थान संकल्प की सिद्धि की जा सके। हम 8 करोड़ जनता की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समर्पित होकर काम कर रहे हैं।

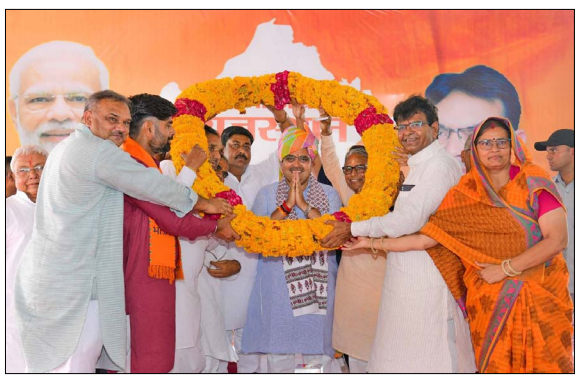

● **संकल्प पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करेगी राज्य सरकार**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंत्योदय की अवधारणा की पालना कर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के लिए योजनाओं-कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद को लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने में मदद कर सभी लोग अपने नागरिक कर्तव्यों का पूरा करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संकल्प पत्र एवं बजट की प्रत्येक घोषणा को क्रियान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

लालसोट में बही विकास की बयार

शर्मा ने कहा कि लालसोट विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए परिवर्तित बजट 2024-25, लेखानुदान एवं बजट रिप्लाई में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं एवं प्रावधान किए गए हैं। इसके अन्तर्गत 5.10 करोड़ रूपये की लागत से लालसोट से खटवा नवीनीकरण एवं चौड़ाईकरण सड़क निर्माण, 5.49 करोड़ रूपये की लागत से एनएच 148 डूंगरपुर मोड से डोब वाया हरिपुरा नवीनीकरण एवं चौड़ाईकरण का निर्माण करवाया जाएगा। साथ ही, लालसोट में श्यामपुरा-दौसा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत, राहूवास-दौसा में नवीन उपखंड कार्यालय खोलना, लालसोट-दौसा की नगर पालिका को नगर परिषद् में क्रमोन्नत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लालसोट-दौसा में एनिकट का निर्माण, मरम्मत एवं जीर्णोद्धार, रामगढ़ पचवारा-दौसा में कृषि मण्डी की स्थापना की जायेगी। इसके साथ ही 6 करोड़ 10 लाख रुपये लागत से नांगल मोड, देवली रोड (लालसोट बाईपास) नवीनीकरण एवं चौड़ाईकरण का कार्य तथा कन्या महाविद्यालय, लालसोट को यूजी से पीजी में क्रमोन्नत किया जायेगा।

बजट में मिली सौगातों से प्रदेश में खुशी का माहौल

ऐतिहासिक बजट से प्रदेश की जनता में खुशी का माहौल है। हर वर्ग, हर जिले को बजट से संबल मिला है। प्रतिदिन मुख्यमंत्री को युवा, किसान, महिला, पत्रकार तथा अलग-अलग जिलों के जन प्रतिनिधि बजट में मिली सौगातों के लिए अपना आभार व्यक्त कर रहे हैं। इसी क्रम में आज दौसा जिले की लालसोट विधानसभा क्षेत्र से आई जनता ने उम्दा बजट के लिए मुख्यमंत्री को तहेदिल से धन्यवाद दिया।

लालसोट विधायक रामबिलास ने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस बजट में दौसा जिले तथा लालसोट के लिए सौगातों की बौछारें दी हैं। उसके लिए मुख्यमंत्री का हृदय से आभार। इस अवसर पर जन प्रतिनिधियों ने श्री शर्मा का माल्यार्पण कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लालसोट के निवासियों के साथ संवाद भी किया।

बेहतरीन रहे जीएसटी के सात वर्ष उत्सव मनाने के लिए बहुत कुछ

सात एक विशेष संख्या है। चाहे गणित (अभाज्य संख्याएं और संख्या सिद्धांत), संगीत (सात संगीतमय स्वर), खगोल विज्ञान (चंद्र चरण में दिन) या पौराणिक कथा (सप्त चक्र, सप्त समुद्र या सप्त ऋषि) हो, सात का चक्र हमारे चारों ओर मौजूद है। इसलिए यह प्रयास उचित है कि इस महीने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के सात साल पूरे होने पर, हम इस बात की जांच करने के लिए कुछ समय निकालें कि स्वतंत्रता के बाद के सबसे बड़े कर सुधार, जीएसटी, जिसे 1 जुलाई, 2017 की मध्य-रात्रि को लागू किया गया था, का प्रदर्शन कैसा रहा है। तब से, जीएसटी ने बड़े पैमाने पर अकादमिक ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। अनुपालन के सरलीकरण, लॉजिस्टिक्स में सुधार से लेकर मजबूत राजस्व संग्रह तक के प्रत्येक आयाम की विस्तार से जांच की गई है।

जीएसटी विषय से जुड़े कई दृष्टिकोणों में से एक है- जीएसटी के राजस्व प्रदर्शन पर हाल में हुई चर्चा। जो अन्य बातों के साथ-साथ यह दर्शाती है कि सकल राजस्व संग्रह में तेज वृद्धि दर्ज की जा रही है, लेकिन इस वृद्धि के अनुरूप शुद्ध राजस्व नहीं बढ़ा है। शुद्ध राजस्व हाल ही में जीएसटी-पूर्व स्तरों पर पहुंच पाया है। शुद्ध संग्रह में इस गिरावट को कुछ चिंता के साथ देखा जा रहा है। इसके अलावा, विशेष रूप से धन वापसी (रिफंड) के साथ डेटा की उपलब्धता की कमी तथा जीएसटी परिषद के कामकाज पर भी कुछ चिंताएं व्यक्त की गई हैं। आइए राजस्व प्रदर्शन से शुरू करते हुए इनमें से प्रत्येक बिंदु पर गहराई से विचार करें ख़ुशी की बात है कि शुद्ध राजस्व संग्रह लगातार बढ़ रहा है और जीएसटी लागू होने के बाद इसकी वृद्धि की गति बढ़ी है। दूसरा, जीएसटी शुरू होने के बाद की अवधि में शुद्ध राजस्व की वर्ष-दर-वर्ष आधार पर होने वाली वृद्धि (जीएसटी के शुरू होने से पहले की अवधि में 11.81 प्रतिशत की तुलना में) औसतन 12.76 प्रतिशत रही।

यह उपलब्धि महामारी के बाहरी झटके के बावजूद है। तीसरा, हम यह देख सकते हैं कि शुद्ध राजस्व वृद्धि ने लगातार सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। यह नई कर व्यवस्था की प्रणालीगत दक्षताओं को दर्शाता है। राजस्व संग्रह कर दरों का एक फलन होता है। यहां संदर्भ के लिए, हम इस तथ्य को याद कर सकते हैं कि कर संग्रह संबंधी दक्षता में सुधार के साथ-साथ कर दरों में उल्लेखनीय कमी आई थी। जीएसटी की शुरुआत से पहले, जीएसटी के लिए राजस्व निरपेक्ष दर (आरएनआर) से संबंधित समिति ने 15-15.5 प्रतिशत की दर की सिफारिश की थी। इसके ठीक उलट जीएसटी की शुरुआत के समय इसकी प्रभावी दर 14.4 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया गया था। बाद में सितंबर 2019 में इसे घटाकर 11.6 प्रतिशत कर दिया गया और मार्च, 20238 में यह 12.2 प्रतिशत हो गया। राजस्व के संदर्भ में, इसे अर्थव्यवस्था के लिए पिछले साल ही 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत (प्रोत्साहन) के रूप में निरूपित किया जा सकता है।

यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की तुलना में भारत की जीएसटी दरें दुनिया में सबसे कम हैं। एक उठता हुआ ज्वार सभी नावों को ऊपर उठा देता है। राजस्व में वृद्धि एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम होता है, हालांकि सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि के ऊपर राजस्व संग्रह में होने वाली वृद्धि (या उछाल) एक कर प्रणाली की प्रणालीगत दक्षता की असली परीक्षा होती है। इस मामले में, जीएसटी की शुरुआत के बाद से पहले पांच वर्षों के दौरान, सकल घरेलू उत्पाद (मौजूदा कीमतों पर) के मुकाबले शुद्ध राजस्व उछाल 1.02 था, जबकि जीएसटी के बाद के सात वर्षों के दौरान यह 1.28 था। यह जीएसटी द्वारा संभव बनाई गई संग्रह संबंधी क्षमता का एक प्रमाण है। निस्संदेह, मासिक आधार पर जारी किए गए राजस्व के आंकड़ों में आमतौर पर सकल संग्रह के आंकड़े शामिल होते हैं। शुद्ध आंकड़े केवल फरवरी, 2024 से प्रकाशित किए गए हैं। हालांकि, जीएसटी की शुरुआत के बाद से प्रत्येक वर्ष की वार्षिक सांख्यिकीय रिपोर्ट प्रकाशित की गई है और सार्वजनिक रूप से रखी गई है। इन रिपोर्टों में निर्यात के कारण किए जाने वाले जीएसटी रिफंड से संबंधित महीने-वार विवरण शामिल हैं। इसलिए रिफंड संबंधी आंकड़ों की सार्वजनिक दृश्यता, थोड़े अंतराल पर ही सही, बनी हुई है।

हम बिना किसी आधार के इस दावे की जांच करने के लिए आगे बढ़ते हैं कि जीएसटी परिषद में केंद्र का 'प्रभुत्व' है। जीएसटी की शुरुआत के साथ, केंद्र और राज्यों ने नए कर के प्रशासन से संबंधित मामलों में, खासतौर पर नीति निर्माण, दरों के निर्धारण, कानूनों/नियमों का मसौदा तैयार करने, अनुपालनों के समन्वय आदि जैसे क्षेत्रों में अपनी संप्रभुता को एकाकार किया। कभी-कभी इसे राज्यों की शक्तियों पर प्रतिबंध के रूप में उद्धृत किया जाता है। हालांकि, यह केंद्र सरकार के लिए भी समान रूप से एक ''प्रतिबंध'' है। जीएसटी परिषद ने अपनी समितियों के समर्थन से कई जटिल मुद्दों पर विचार किया है और वह कई ऐसी सिफारिशें लेकर आगे आई है, जिससे कानून के प्रशासन में एकरूपता और दरों की संरचना में स्थिरता आई है। यह सहकारी संघवाद की भावना का एक प्रमाण है। जीएसटी परिषद के सभी निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए हैं। इसके अलावा, अनुपालनों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सभी त्रुटियों को दूर करने या छूट को तर्कसंगत बनाने के परिषद के सभी निर्णयों से केंद्र और राज्यों को समान रूप से लाभ पहुंचा है। उपरोक्त चर्चा से, तीन बिंदु उभर कर सामने आते हैं- सबसे पहले जीएसटी की संग्रह संबंधी क्षमताएं स्पष्ट, सुसंगत एवं प्रारंभिक हैं और मुख्य रूप से अंतर्जात कारकों के कारण हैं।

यही बात रिफंड के शुद्ध राजस्व संग्रह को देखने के समय भी लागू होती है। तीसरा, जीएसटी ने अपेक्षाकृत कम कर दरों और बाहरी झटकों के बावजूद राजस्व में लगातार वृद्धि की है। जैसे-जैसे जीएसटी अपने प्रगति के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, ऐसे कई क्षेत्र हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी। उदाहरण के लिए दर संरचना का सरलीकरण, जीएसटी के दायरे से बाहर रह गई वस्तुओं को शामिल करना और साथ ही एक कुशल अपीलीय तंत्र जैसे प्रशासनिक मुद्दे। हालांकि अब जबकि जीएसटी के सात वर्ष पूरे हो गए हैं, उत्सव मनाने के लिए काफी कुछ है।

छद्म और पाखंडी बाबाओं से मुक्ति की सार्थक पहल

ललित गर्ग

भारतीय हिंदू संतों की प्रमुख संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद (एबीएपी) की ओर से चौदह महामण्डलेश्वरों और संतों के निष्कासन की ताजा कार्रवाई पाखण्डी एवं छद्म बाबाओं से समाज को मुक्त करने का सराहनीय कदम है। अखाड़ा परिषद की गोपनीय जांच में अखाड़ों से जुड़े ये संत धार्मिक कार्यों के बजाय धनार्जन एवं अधार्मिक कार्यों में लिप्त पाए गए। ऐसे ही अन्य बाबाओं पर व्यभिचार, दुष्कर्म, जादू-टोटके व दूसरे अनैतिक कार्यों के भी आरोप लगते रहे हैं। इनके अलावा सौ से अधिक संतों को अखाड़ा परिषद ने नोटिस भी दिया है। निष्कासित किए गए संतों को अगले साल होने वाले कुंभ में भी प्रवेश नहीं मिलेगा। अखाड़ा परिषद की ताजा कार्रवाई इस तरह के कथित धर्मगुरुओं पर लगाम लगाने की प्रभावी कोशिश मानी जाएगी। इस तरह के प्रयास हर स्तर पर होने चाहिए, ताकि छद्म एवं पाखण्डी धर्मगुरुओं से समाज को मुक्ति मिल सके। आम लोगों में भी विवेक का जागरण जरूरी है, ताकि धर्म को विकृत करने वाली ऐसी घटनाओं को नियंत्रित किया जा सके। अखाड़ा परिषद ने कुल चौदह ढोंगी संतों की एक सूची मीडिया में जारी की है। सूची में जेल की हवा खा रहे बाबा रामपाल, गुरमीत राम रहीम सिंह इंसां, आसाराम, नारायण साई व असीमानंद के अलावा निर्मल बाबा, राधे मां और कई ऐसे इच्छाधारी बाबा शामिल हैं, जो पिछले कुछ सालों में अपनी करनी के चलते विवादों में रहे हैं। गोलगप्पा खिलाकर लोगों की हर समस्या का समाधान करने वाले निर्मल बाबा जैसे ढोंगियों के झांसे में लोग कैसे खिंचे चले आते हैं, इस पर भी अखाड़े की ओर से कई चौंकाने वाले तथ्य बताए गए हैं। उनका मानना है कि राधे मां और निर्मल बाबा जादू-टोटके से लोगों को अपनी ओर खींचते हैं। बाबाओं की कारस्तानियों ने सबको सकते में डाल रखा है। महिलाओं की अस्मत से खिलवाड़ करना इन बाबाओं की दिनचर्याओं में शामिल था। लाज-शर्म की वजह से कुछ महिलाएं नहीं बोलती थीं, उन्हीं का ये बाबा फायदा उठाते थे। इन बढ़ती त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों के खिलाफ अब पूरा अखाड़ा परिषद मुखर हो उठा है। जरूरत है ऐसे ही अन्य शीर्ष धर्म संगठनों के सक्रिय होकर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाई करने की। फर्जी एवं पाखण्डी बाबाओं के मामले में भोले-भाले एवं अशिक्षित लोगों के जीवन के साथ जो खिलवाड़ हुआ है और जिन बाबाओं ने ये कुकर्म किया है, उन्हें ढूंढकर दंड देना ही चाहिए। फर्जी एवं पाखण्डी बाबाओं की परंपरा सदैव से दुष्टों के हाथ में रही है। इसका आरंभ किया था महाभारत में शकुनि ने। हमारे समाज एवं राष्ट्र ऐसे बहुत सारे बाबा रूपी शकुनि हैं, जिन्हें हम समय पर पहचान नहीं पाते हैं। कौरवों और पांडवों के बीच जब जुए का खेल हुआ, तो शर्त यही थी कि पांसे शकुनि चलेगा। शकुनि ने पांसे

भी ऐसे तैयार किए थे कि उसको परिणाम और प्रश्न मालूम थे। आधुनिक बाबा भी ऐसे ही पांसे चलते हुए हुए कइयों की जिंदगी को नरक बना रहे हैं, कइयों के घर उजाड़ रहे हैं। सबसे ज्यादा नुकसान उन लोगों का हुआ है, जो धार्मिक आस्थाओं के प्रति अटूट विश्वास रखते थे, क्योंकि भारत की पहचान सदा से ही साधु-संतों से जुड़ी रही है। लेकिन पिछले एक-दो दशक से कुछ फर्जी बाबाओं ने अपनी काम वासना एवं धनलोलुपता के चलते सबकुछ खंडित कर दिया है। इन बाबा रूपी शकुनियों को दंड देना ही पड़ेगा। आधुनिक बाबाओं की तरह महाभारत का शकुनि कभी किसी से नहीं डरता था, लेकिन वो कहता था, दुर्योधन! मैं इस दुनिया में केवल एक ही व्यक्ति से डरता हूं और वो श्रीकृष्ण हैं। तो हमें भी आधुनिक बाबाओं के लिये श्रीकृष्ण जैसी एक सख्त व्यवस्था लागू करनी पड़ेगी। क्योंकि श्रीकृष्ण जब किसी को दंड देते थे तो अपना और पराया कभी नहीं देखते थे। श्रीकृष्ण धर्म में जय और जय में धर्म देखते थे। वर्तमान में धर्मगुरुओं एवं बाबाओं का जो चरित्र एवं आचरण प्रस्तुत हो रहा है, वह कष्टदायक एवं विनाशकारी है। इसलिये उनके लिये श्रीकृष्ण रूपी अनुशासन-व्यवस्था को सख्ती से लागू करना ही होगा।

अखाड़ा परिषद का अपना अनुशासन है। अखाड़े से जुड़े संतों में कोई दोष नहीं आ जाए, चरित्रहीनता न आ जाये, आचरण एवं जीवनशैली दूषित न हो जाये, इसे देखते हुए वह समय-समय पर अपने महामण्डलेश्वर व दूसरे संतों की कार्यप्रणाली की गोपनीय जांच कराता रहता है। ऐसी ही हाल में की गयी जांच में सामने आया कि धनार्जन में लिप्त रहने वाले संतों की कार्यप्रणाली अखाड़ों की रीति-नीति के विपरीत थी। इनमें कुछ के तो आपराधिक लोगों से भी संबंध सामने आए। राजनेताओं से भी उनके प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। हर समुदाय में संतों का अलग ही स्थान रहता आया है। वे जहां विराजते हैं वह स्थान स्वतः ही उच्च हो जाता है। आज भी बड़ी संख्या में संत-महात्मा समाज को दिशा देने के काम में निःस्वार्थ भाव से जुटे हैं। पर बदलते दौर में संत-महात्मा-मुल्ला-मौलवियों व पीर-पगारों के छद्म-पाखण्डी वेश में ऐसे लोग भी सामने आने लगे हैं जो धार्मिक कार्यकलापों की बजाय न केवल अर्थार्जन में जुटे रहते हैं बल्कि अंधविश्वास, व्यभिचार और पाखण्ड को बढ़ावा देने में जुटे हैं। छद्म धर्मगुरु और संत लोगों की धार्मिक श्रद्धा एवं अंधभक्ति का फायदा उठाकर उन्हें ठगते हैं। ऐसे लोगों का गाहे-बगाहे सियासी जुड़ाव भी सामने आता रहता है। ऐसे ही लोग संत समाज को बदनाम करते हैं, जिससे लोगों की धार्मिक आस्था भी डगमगाने लगती है।

धर्मगुरुओं के धन के प्रति बढ़ते आकर्षण ने भी अनेक तरह की विसंगतियों एवं विकृतियों को जन्म दिया है। अब तक धर्म और धर्मगुरुओं के इर्द-गिर्द ठाट-बाट और राजा-महाराजाओं जैसी वैभवपूर्ण स्थितियां ही देखने को मिलती थीं, लेकिन अब ये तथाकथित धर्मगुरु स्वयं व्यापारी बनकर बड़ी-बड़ी कंपनियों का संचालन कर रहे हैं। एक प्रमुख महिला धर्मगुरु बहुत सारे धार्मिक कार्यों के अलावा अस्पताल, एक टीवी चैनल, इंजीनियरिंग कॉलेज और बिजनेस स्कूल चलाती है। हाल ही में दिल्ली में आयोजित हुए विश्व धार्मिक सांस्कृतिक सम्मेलन में देखा कि किस तरह से पानी से लेकर खाद्य पदार्थ तक बेचे गए। एक बड़ा पंथ चलाने वाले राम-रहीम ऑर्गेनिक उत्पाद खिलाकर देश को सेहतमंद बनाने की तमन्ना रखते हैं। ये एक ऐसी लंबी सूची है जिसमें वर्तमान के लगभग सभी चर्चित धर्मगुरु ऐसे ही व्यावसायिक कार्यों और लाभकारी इकाइयों से जुड़े हैं। व्यावसायिक लाभों के लिए राजनीतिक और व्यावसायिक नेटवर्क रखने के साथ-साथ बड़ी संख्या में धार्मिक अनुयायी रखना इन तथाकथित धर्मगुरुओं की परंपरा रही है। राजनीति पर धर्म के अनुशासन की बात उचित है, लेकिन धर्मगुरुओं को प्रतिष्ठापित करने के बहाने राजनीति का खेल न खेला जाए, इस बात की जरूरत सर्वाधिक है। अपनी लोकप्रियता के बल पर कुछ धर्मगुरु भारतीय राजनीति के बदलते दौर में कुछ सीटें जीतकर सामने आए हैं। धर्मगुरु से राजनीतिज्ञ बन जाने की ये घटनाएं न केवल धर्मक्षेत्र के लिए बल्कि राजनीति के लिए भी घातक हैं। जहां धर्मगुरुओं के अनुयायी अधिक संख्या में हैं, उन क्षेत्रों में वे स्वयं जीतें न जीतें, वहां के परिणाम को प्रभावित कर ही सकते हैं। उनका यह असर किस दिशा में होगा? कौन सी बड़ी ताकत को लाभ मिलेगा? यानी राजनीति एवं राजनेताओं पर इन धर्मगुरुओं एवं बाबाओं का गहरा प्रभाव एवं वर्चस्व भी अनेक विसंगतियों का कारण बना है। हाथरस में सूरजपाल जाटव उर्फ साकार हरि 'बाबा' के तथाकथित सत्संग में 121 लोगों की मौत का कारण बना। ऐसे फर्जी एवं तथाकथित चमत्कारी बाबाओं के चक्कर लगाने वालों में महिलाएं एवं दलित बड़ी संख्या में हैं। भगदड़ एवं अन्य हादसों की स्थिति में यही लोग मारे जाते हैं। प्रश्न है कि ढोंगी एवं पाखण्डी बाबाओं के पास जाने वाले लोग अपनी तर्क-बुद्धि एवं विवेक से काम क्यों नहीं लेते? अंधविश्वासों के सहारे तरक्की की सीढ़ियां क्यों चढ़ना चाहते हैं? ये विडंबनापूर्ण स्थितियां हैं। जनता की कमजोरी के कारण ही कभी हमारे यहां धर्म की राजनीति में घुसपैठ होती रही है तो अब आर्थिक गतिविधियों से उनका गठबंधन हो रहा है। जब-जब ऐसी स्थितियां हुई हैं, तब-तब धर्म और धर्मगुरु अपने विशुद्ध स्थान से खिसके हैं। खिसकते-खिसकते वे ऐसी डांवाडोल स्थिति में पहुंच गए हैं, जहां धर्म को अफीम कहा जाने लगा है।

पुनर्योजी कृषि और इसके लाभ

मनतार सिंह

आज के समय में, जब पर्यावरणीय स्थिरता अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है, पुनर्योजी कृषि एक क्रांतिकारी दृष्टिकोण के रूप में उभर रही है। यह न केवल खाद्य उत्पादन को बढ़ावा देती है, बल्कि हमारी पारिस्थितिकी प्रणालियों के स्वास्थ्य को भी बहाल और सुधारती है। पारंपरिक कृषि, जो अक्सर मिट्टी को समाप्त करती है और जैव विविधता को नुकसान पहुंचाती है, के विपरीत पुनर्योजी कृषि प्रकृति के साथ तालमेल बिठाती है। इस लेख में, हम पुनर्योजी कृषि के सिद्धांतों और इसके विभिन्न लाभों पर चर्चा करेंगे।

पुनर्योजी कृषि के सिद्धांतः पुनर्योजी कृषि में कई प्रकार की प्रथाएँ शामिल हैं, जो मिट्टी के स्वास्थ्य को बहाल करने, जैव विविधता बढ़ाने, जल चक्रों में सुधार करने और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई हैं।

इसके प्रमुख सिद्धांत :

मिट्टी का कम विघटनः जुताई को कम करना मिट्टी की संरचना को बनाए रखने, जैविक पदार्थ को संरक्षित करने और मिट्टी के जीवों की रक्षा करने में मदद करता है।

फसलों का विविधीकरणः विभिन्न फसलों की खेती मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाती है और कीट व बीमारियों के चक्र को तोड़ती है।

कवर क्रॉपिंगः बंद मौसम के दौरान कवर फसलों की खेती मिट्टी के कटाव को रोकती है, जैविक पदार्थ बढ़ाती है और खरपतवारों को दबाती है।

पशुधन का एकीकरणः प्रबंधित चराई और पशुधन का एकीकरण पोषक तत्व चक्रण और मिट्टी की उर्वरता में योगदान देता है।

कृषि वानिकीः खेतों में पेड़ और झाड़ियों का समावेश जैव विविधता को बढ़ाता है और अतिरिक्त आय स्रोत प्रदान करता है।

मिट्टी जैविक पदार्थ का निर्माणः कंपोस्टिंग और जैविक संशोधनों का उपयोग जैसे अभ्यास, मिट्टी में कार्बन बढ़ाते हैं और मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करते हैं।

पुनर्योजी कृषि के लाभः

मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधारः पुनर्योजी कृषि में मिट्टी के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाती है, जो एक उत्पादक कृषि प्रणाली की नींव है। स्वस्थ मिट्टी जैविक पदार्थ से भरपूर होती है और लाभकारी सूक्ष्मजीवों से भरी होती है, जो मिट्टी की संरचना और पोषक तत्व उपलब्धता को बढ़ाते हैं।

उर्वरता में वृद्धिः सुधारित मिट्टी संरचना और पोषक तत्व चक्रण फसल की पैदावार को बढ़ाते हैं।

कटाव की रोकथामः स्वस्थ मिट्टी कटाव के प्रति अधिक प्रतिरोधी होती है, जिससे भूमि का क्षरण कम होता है।

जल धारण क्षमताः जैविक पदार्थ में वृद्धि मिट्टी की जल धारण क्षमता को बढ़ाती है, जिससे फसलें सूखे के प्रति अधिक सहनशील हो जाती हैं।

जैव विविधता पुनर्योजी कृषि का एक प्रमुख तत्व है। विभिन्न फसलों की खेती और पशुधन का एकीकरण कर-के, पुनर्योजी खेत जीवों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए आवास बनाते हैं, जिसमें मिट्टी के सूक्ष्मजीव से लेकर परागणकर्ता और वन्यजीव शामिल हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएंः जैव विविध प्रणाली परागण, कीट नियंत्रण और पोषक तत्व चक्रण जैसी आवश्यक सेवाएँ प्रदान करती हैं।

सहनशीलताः विविध पारिस्थितिकी तंत्र पर्यावरणीय तनावों के प्रति अधिक सहनशील होते हैं, जिसमें जलवायु परिवर्तन शामिल है।

वन्यजीव आवासः कृषि वानिकी और विविधीकृत फसल प्रणाली पक्षियों, कीटों और अन्य वन्यजीवों के लिए आवास बनाते हैं।

जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण

पुनर्योजी कृषि जलवायु परिवर्तन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि यह मिट्टी और वनस्पति में कार्बन को संचित करती है। कवर क्रॉपिंग, कम जुताई और कृषि वानिकी जैसे अभ्यास वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड को कैप्चर और संग्रहीत करते हैं।

जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण से लाभः

कार्बन संचनः जैविक पदार्थ में वृद्धि अधिक कार्बन संग्रहीत करती है, जिससे ग्रीनहाउस गैस की सांद्रता कम होती है।

उत्सर्जन में कमीः सिंथेटिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को कम करने से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम होता है।

जलवायु सहनशीलताः सुधारित मिट्टी स्वास्थ्य और जैव विविधता खेतों को चरम मौसम घटनाओं के प्रति अधिक सहनशील बनाती है।

जल प्रबंधन :

प्रभावी जल प्रबंधन पुनर्योजी कृषि का एक अन्य महत्वपूर्ण लाभ है। जैविक पदार्थ की उच्च मात्रा वाली स्वस्थ मिट्टी जल अवशोषण और धारण में सुधार करती है, जिससे सिंचाई की आवश्यकता कम होती है।

जल प्रबंधन से लाभः

जल संरक्षणः बढ़ी हुई जल धारण क्षमता सिंचाई की मांग को कम करती है।

बाढ़ न्यूनीकरणः सुधारित मिट्टी संरचना और कवर फसलें जल प्रवाह को कम करती हैं और भूजल पुनर्भरण में सुधार करती हैं।

जल गुणवत्ताः रासायनिक इनपुट पर निर्भरता कम करने से जल प्रदूषण की रोकथाम होती है और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा होती है।

आर्थिक लाभः

हालांकि पुनर्योजी कृषि में प्रथाओं को सीखने और संक्रमण में प्रारंभिक निवेश की आवश्यकता हो सकती है, यह किसानों के लिए दीर्घकालिक आर्थिक लाभ प्रदान करती है। स्वस्थ मिट्टी और विविधीकृत आय स्रोत स्थिर और सहनशील कृषि संचालन में योगदान करते हैं।

लागत बचतः सिंथेटिक उर्वरकों, कीटनाशकों और सिंचाई की आवश्यकता को कम करने से इनपुट लागत में कमी आती है।

पैदावार स्थिरताः सुधारित मिट्टी स्वास्थ्य और सहनशीलता अधिक स्थिर पैदावार की ओर ले जाती है।

बाजार के अवसरः स्थायी रूप से उत्पादित खाद्य के प्रति उपभोक्ता की बढ़ती मांग नए बाजार के अवसर खोलती है।

निष्कर्ष

पुनर्योजी (Regenerative) कृषि एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करती है जो पर्यावरण, किसानों और समाज के लिए लाभदायक है। मिट्टी के स्वास्थ्य को बहाल करके, जैव विविधता को बढ़ाकर, जलवायु परिवर्तन को कम करके और जल प्रबंधन में सुधार करके, पुनर्योजी कृषि भविष्य के खाद्य उत्पादन के लिए एक स्थायी मार्ग प्रदान करती है। जैसे-जैसे इन प्रथाओं के प्रति जागरूकता और अपनाने की वृद्धि हो रही है, पुनर्योजी (Regenerative) कृषि एक सहनशील और समृद्ध कृषि परिदृश्य का वादा करती है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले : घर में घुसकर कब मारोगे?

मनोज कुमार अग्रवाल

जम्मू कश्मीर के जम्मू रीजन में लगातार पाक प्रेरित आतंकी सक्रिय हैं। पिछले तीन माह में बढती आतंकी गतिविधियों ने जम्मू का सुख चैन दाव पर लगा दिया है। डोडा में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन के दौरान सोमवार रात सुरक्षाबलों की आतंकवादियों से मुठभेड़ में सेना के एक अफसर समेत पांच जवान शहीद हो गए हैं। पिछले एक माह में आतंकवादी हमलों में अप्रत्याशित बढोत्तरी हुई है एक माह के भीतर आतंकी वारदातों में हमारे 12 जांबाज जवान व अफसर तथा नौ आम नागरिक मारे जा चुके हैं। देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले सैनिकों को शहीद का दर्जा देकर गौरवान्वित किया जाता है लेकिन जिस तरह पाकिस्तान परस्त आतंकी जम्मू-कश्मीर में इस्लामिक जिहाद छेड़ कर लगातार सैन्य वाहनों और सैनिकों पर ताबड़तोड़ हमले कर खून खराबा कर रहे हैं उससे पता चलता है कि पाक पोषित आतंकवादियों का इन दिनों कुछ हौसला बढ गया है। फिर कुछ सिरफिरे आतंकवादी हमारे देश में घुसकर हमारे जवानों की जान ले लेते हैं तो यह हमारे लिए वीरता की बात नहीं हो सकती है? हम आतंक की अंधी गोलीबारी के शिकार बन रहे जवानों को 'शहीद' बताकर चुप बैठ जाते हैं, उन जवानों के परिजनों को गर्व का अनुभव कराया जाता है। यह सही है कि उनके लाल देश पर जान न्यौछावर कर गए, लेकिन क्या शहादत के इस महिमामंडन में सरकार अपनी नाकामी को छिपाने का काम नहीं कर रही? यह देश के लिए गर्व की नहीं, चिंता और दुख की बात होनी चाहिए, शर्म की बात होनी चाहिए कि कुछ सिरफिरे आतंकी हमारे जवानों की यूं सरेआम जान ले रहे हैं। क्या हम आतंकियों का सफाया करने में असमर्थ होते जा रहे हैं। यदि हमारे पांच जवानों की जान लेने के बाद दो आतंकी मारे भी गए तो हमारा नुकसान बड़ा है, उनका नहीं। बेहद चिंता जनक स्थिति यह है कि जम्मू कश्मीर में हमारे जवानों की जान जाना मानो कोई बड़ी बात ही नहीं रही। मीडिया में एक-दो दिन सामान्य खबर प्रसारित-प्रकाशित होती है, ठीक वैसे ही जैसे किसी दुर्घटना में कुछ लोगों की जान चली गई हो और उसके बाद सब पहले जैसा हो जाता है। लेकिन यह 'पहले जैसा' केवल बाकी लोगों के लिए होता है, उन परिवारों के लिए नहीं जो अपना लाल गंवा देते हैं।

आपको बता दें कि अमेरिकी फौज ने भागते समय अफगानिस्तान में जो आधुनिक हथियार छोड़े थे, वे अफगानिस्तान से पाकिस्तान के दहशतगर्दों के जरिए भारत के खिलाफ इस्तेमाल किए जा रहे हैं यही कारण हैं कि वे हथियार अब आतंकियों तक पहुंच रहे हैं और उन्हीं का उपयोग हमारी सेना को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा रहा है और हमारे सैनिकों को अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। इस ताज़ा वारदात में बीते सोमवार की शाम डोडा में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन चल रहा है। डोडा से करीब 55 किमी दूर डेसा के जंगल में आतंकियों को देर शाम घेर लिया। आतंकियों ने भागने की कोशिश की और गोलीबारी शुरू कर दी। लेकिन सुरक्षाबलों की कार्रवाई जारी रही। गोलीबारी में कैप्टन समेत 5 जवान जख्मी हो गए। मंगलवार तड़के चार जवानों की इलाज के दौरान मौत हो गई। एक अन्य जवान की हालत गंभीर है, उसे उधमपुर सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया जानकारी के मुताबिक, इस एनकाउंटर में कैप्टन ब्रिजेश थापा और चार जवान घायल हो गए। इस बीच, आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगलों में पहाड़ी इलाके की ओर भाग निकले। आनन-फानन में जवानों को अस्पताल लाया गया, जहां मंगलवार तड़के उनकी मौत हो गई। शहीद जवानों में सेना के कैप्टन ब्रिजेश थापा, नायक डी राजेश, सिपाही बिजेंद्र और सिपाही अजय और एक जवान जम्मू-कश्मीर पुलिस का शामिल है।

बढ़ते आतंकी हमलों में जिस तरह देश के जवानों का बलिदान हो रहा है यह चिंता का विषय है सरकार को गंभीरता से सख्त कार्यवाही और आतंकवाद पर नियंत्रण के लिए नई स्ट्रेटजी तैयार करनी चाहिए आखिर हमअपने जवानो के खून से आतंकियों को कब तक खेलने देंगे। सरकार कब तक हाथ पर हाथ धरे रहेगी? जब इजराइल हमास को खत्म करने के लिए गाजा नष्ट कर सकता है तो भारत क्यों नहीं कदम उठाता है? जम्मू-कश्मीर में पिछले एक महीने के अंदर आतंकी घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हुई है। सबसे पहले 9 जून को आतंकियों ने जम्मू के रियासी में तीर्थयात्रियों से भरी बस को निशाना बनाया, जिसमें 9 लोग मारे गए. फिर, आतंकियों ने कठुआ थमें 8 जुलाई को सेना की गाड़ी को टारगेट किया, जिसमें 5 जवान शहीद हो गए थे। नौशेरा में 10 जुलाई को आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की, हालांकि वह नाकामयाब रही। लेकिन 16 जुलाई यानी की आज आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के 4 जवान शहीद हो गए और एक पुलिसकर्मी की भी मौत हो गई। पिछले एक महीने के अंदर आतंकी 7 बड़ी वारदातों को अंजाम दे चुके जिनमें 12 जवान शहीद हुए हैं और 9 आम नागरिकों की मौत हुई है।

कटरा के रियासी इलाके में तीर्थयात्रियों को माता वैष्णो देवी मंदिर लेकर जा रही 53 सीटर बस पर 9 जून की शाम आतंकियों ने हमला किया था। इसके बाद बस खाई में गिर गई थी, जिसमें एक नाबालिग समेत 9 लोगों की मौत हो गई और 41 अन्य घायल हो गए थे। बस में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के तीर्थयात्री सवार थे। बस पर हमले करने वाले आतंकी पहाड़ी इलाके में छुपे हुए थे। 11 जून को जम्मू कश्मीर के कठुआ के एक गांव में आतंकी घुस आए थे। इसके बाद आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकियों को ढेर कर दिया गया था। कठुआ जिले के गांव में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षाबलों का ऑपरेशन शुरू हुआ था। इस जिले के हीरानगर सेक्टर के सैदा सुखल गांव पर आतंकियों ने हमला किया था। सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में सीआरपीएफ का एक जवान भी शहीद हुआ था।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सेना के अस्थायी ऑपरेटिंग बेस पर 12 जून को आतंकियों ने गोलीबारी की थी। इस दौरान सेना के दो जवान घायल हो गए थे। मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया था। इसके साथ ही एक नागरिक घायल भी हो गया था। रियासी और कठुआ के बाद जम्मू इलाके में यह तीन दिनों में तीसरा आतंकी हमला था। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम के दो गावों में 6 जुलाई को हुए एनकाउंटर में 2 जवान शहीद हो गए थे। इनमें से एक एनकाउंटर कुलगाम ले के चिनिगाम में तो वहीं दूसरा अभियान मोदरगाम गांव में हुआ था। गोली में लांस नायक प्रदीप नैन (पैरा कमांडो) और आरआर के हवलदार राज कुमार शहीद हुए थे।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में 8 जुलाई को आतंकियों ने आतंकी हमला किया था, जिसमें पांच जवान शहीद हो गए थे। आतंकियों ने शाम के समय सेना के वाहन पर हमला किया था। इस दौरान आतंकियों ने सेना की गाड़ी पर ग्रेनेड भी फेंका था और अंधाधुंध फायरिंग की थी। इस हमले को दो से तीन आतंकियों के अंजाम देने की बात सामने आई थी। राजौरी के नौशेरा सेक्टर में 10 जुलाई को आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। संदिग्ध आतंकियों के एक ग्रुप ने रात के समय भारतीय इलाके में घुसने कोशिश की थी, लेकिन वो कामयाब नहीं हो पाए और उन्हें उलटेपांव भागना पड़ा था। जम्मू कश्मीर के राजौरी में 7 जुलाई को सेना के शिविर पर आतंकी हमला हुआ था। इस अटैक में आर्मी का एक जवान घायल हो गया था। आतंकवादियों ने सेना के शिविर पर गोलीबारी की थी। मौजूदा घटना के बाद सेना की अन्य टीमें भी मौके पर पहुंचीं और सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया। हालांकि, आतंकियों का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। इस हमले की जिम्मेदारी कश्मीर टाइगर्स नाम के आतंकी संगठन ने ली है। कश्मीर टाइगर्स जैश का ही संगठन है जिसने कठुआ में जवानों के काफिले पर हमले की जिम्मेदारी ली थी। आतंकियों की तलाश के लिए हेलिकॉप्टर से निगरानी रखी जा रही है और चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। दरअसल, यहां आतंक विरोधी अभियान चलाना सबसे चुनौतीपूर्ण और कठिन माना जाता है। पिछले एक महीने से जम्मू के जंगलों और पहाड़ी इलाकों में लगातार सर्च ऑपरेशन चल रहा है। पहाड़ी इलाकों में ही आतंकियों का ज्यादा मूवमेंट है। यहां आतंकियों के अड्डे होने की खबरें हैं। जम्मू के तीन-चार जिलों के पहाड़ी इलाके में 50 से 60 आतंकियों के छिपे होने की खबर है।जरूरत इस बात की है कि भारत सरकार अपने सैनिकों को आधुनिक हथियार उपलब्ध कराने के साथ ही इजराइल की तर्ज पर पाकिस्तान की सीमा से चल रहे आतंकवाद की जड़ों को उखाड़ फेंकने की दिशा में आगे बढ़े।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

जयपुर विकास प्राधिकरण में ट्रेफ़िक कन्ट्रोल बोर्ड की हुई समीक्षा बैठक

हीरापुरा बस टर्मिनल 15 अगस्त, 2024 से होगा शुरू

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी)। जयपुर विकास आयुक्त मंजू राजपाल की अध्यक्षता में जेडीए के मंथन सभागार में ट्रेफिक कन्ट्रोल बोर्ड की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न एजेण्डों पर विचार-विमर्श कर निर्णय लिये गये। बैठक में जयपुर कलक्टर, डीसीपी ट्रेफिक, एमडी जेसीटीएसएल, नगर निगम हैरिटेज जयपुर, परिवहन विभाग, जेडीए सचिव, अति. आयुक्त नगर निगम ग्रेटर, जेडीए के अभियांत्रिकी निदेशक-प्रथम एवं द्वितीय, सदस्य सचिव - टीसीबी, मुस्कान एनजीओ के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि पूर्व में चिन्हित ई-रिक्षा की पार्किंग स्टेशन के स्थानों की अधिसूचित करने हेतु कलक्टर महोदय को पत्र लिखा गया है तथा नवीन स्थानों की सूची प्रस्तुत की गई है। सात दिवस में आरटीओ के द्वारा जारी करके। कलक्टर द्वारा आगामी सात में नोटिफिकेशन जारी करने के निर्देश दिये गये। 15 वर्ष पुराने वाहनों हेतु सीजरयार्ड के लिए आर.टी.ओ. जयपुर प्रथम एवं द्वितीय द्वारा रोड नं. 14 सीकर रोड एवं दौलतपुरा के आसपास आवश्यक भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव जेडीए को प्रस्तुत किया गया है। जेडीसी द्वारा आगामी एलपीसी बैठक में उक्त संबंध में भूमि प्रस्ताव रखा जाकर राज्य सरकार के निर्णयार्थ भेजे जाने के निर्देश दिये गये।

यातायात पुलिस द्वारा चिन्हित स्थानों पर 222 सीसीटीवी कैमरे लगाये जाने हेतु राशि रूपये 90.00 करोड़ का ट्रेफिक पुलिस का प्रस्ताव आरटीआईडीएफ फण्ड हेतु ट्रांसपोर्ट विभाग को 15 दिवस में आवंटित करने के निर्देष दिये। बैठक में डीओआईटी को यातायात सुविधाओं के आधुनिकीकरण हेतु नोडल विभाग बनाये जाने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री महोदय द्वारा प्रदत्त निर्देशों की अनुपालना में अजमेर रोड स्थित हीरापुरा बस टर्मिनल को 15 अगस्त, 2024 से बसों का संचालन हेतु जेडीए को शेष विकास कार्यो को तीव्रगति से पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। जेसीटीएसएल द्वारा हीरापुरा बस टर्मिनल होकर बसों का संचालन किया जायेगा। नगर निगम जयपुर हैरिटेज द्वारा जयपुर रेल्वे स्टेशन से रोड/फुटपाथ पर किये गये स्थाई प्रकृति के अतिक्रमणों को हटाकर सडक निर्माण करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

परकोटे में यातायात दबाव कम करने एवं बाजारो के वाहन रामनिवास बाग पार्किंग में पार्क किये जा सके। इस हेतु जेसीटीसीएल द्वारा दो रूटों पर निःषुल्क बस सेवा 01 अगस्त, 2024 से शुरू की जायेगी। जिसका खर्चा जेडीए द्वारा वहन किया जायेगा। जिसमें न्यू गेट से होकर चांदपोल तथा सांगानेरी गेट से न्यू गेट तक के दो रूट निर्धारित किये गये है। जेडीए, राजस्थान आवासन मण्डल, नगर निगम ग्रेटर एवं हैरिटेज जयपुर द्वारा अपने अपने क्षेत्रों में सडकों से अस्थाई अतिक्रमणों एवं अवैध बोड्र्स व साईनेजज को अभियान चलाकर हटवाये जाने के निर्देश दिये।राजस्थान हाउसिंग बोर्ड द्वारा पार्किंग स्थल चिन्हित कर वाहनों की पार्किग इन स्थानों पर ही सुनिश्चित किये जाने हेतु कार्यवाही की जा रही है एवं मुख्य मार्गों पर नो पार्किंग बोर्ड लगवाये जा रहे है। इसके साथ ही राजस्थान हाउसिंग बोर्ड को अपने क्षेत्राधिकार में ट्रेफिक व्यवस्था में सुधार हेतु पार्किंग हेतु जगह चिन्हित कर विकसित करने हेतु निर्देशित किया गया। नगर निगम हैरिटेज द्वारा बताया गया कि

- जेसीटीसीएल द्वारा परकोटे में दो रूटों पर चलाई जायेंगी बसें
- जेडीए, नगर निगम ग्रेटर व हैरिटेज जयपुर एवं राजस्थान आवासन मण्डल अपने-अपने क्षेत्रों में सडकों से अभियान चलाकर हटायेंगे अस्थाई अतिक्रमण
- राजस्थान आवासन मण्डल अपने क्षेत्राधिकार में विकसित करेगा पार्किंग
- सिटी पार्क में एक सप्ताह में पार्किंग प्रारम्भ की जायेगी
- मैरिज गार्डन द्वारा नियमों की अवहेलना करने पर की जायेगी कार्यवाही
- एनएचएआई से जुडे प्रकरणों पर आगामी एक सप्ताह में होगी बैठक

विवाह पंजीयन उपविधि 2012 के अन्तर्गत लीज डीड तथा व्यवसायिक उपयोग हेतु रूपान्तरण के संबंध मे कोई प्रावधान नहीं है। इस क्रम में जिन भी प्रावधानों द्वारा मैरिज गार्डन का व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा है, उन प्रावधानों के तहत ही मैरिज गार्डन पर नियमों की अवहेलना करने पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

भविष्य में नवीन बस क्यू शैल्टर्स की आवश्यकता होने पर यातायात पुलिस एवं जेसीटीएसएल द्वारा संयुक्त रूप से स्थान चिन्हित कर बनाये जायेंगे। यातायात के सुगम संचालन एवं फ्री-लेफ्ट सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रथम चरण में 10 चौराहे/तिराहों पर कार्य करवाया जायेगा। बैठक में अतिक्रमण से रिक्त कराये गये स्थानों/भूमि पर पुनः अतिक्रमण की रोकथाम हेतु अतिक्रमण मुक्त स्थानों का अन्य उपयोग में लिये जाने के निर्देश दिये।

यातायात पुलिस द्वारा रेपिट एक्शन टीम का किया जा रहा है।

जेडीसी ने एनएचएआई से संबंधित सभी प्रकरणों पर जेडीए, एनएचएआई एवं ट्रेफिक पुलिस की संयुक्त रूप से आगामी सप्ताह में बैठक आयोजित करने एवं एनएचएआई को एजेंडा प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। नगर निगम हैरिटेज परकोटे में रिक्त पार्किंग की रियल टाइम इंफोर्मेषन विभिन्न स्थानों पर स्थापित डिस्प्ले बोड्र्स के माध्यम से किये जाने के निर्देश दिये गये। नाहरगढ रोड पर सडक सुरक्षा हेतु आमेर रोड से जयगढ तक सडक की मरम्मत एवं अन्य कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त जयगढ से नाहरगढ तक सडक निर्माण हेतु वन विभाग से एनओसी ली जायेगी। प्रादेशिक परिवहन द्वारा 10 नवीन मार्गो, वर्तमान में संचालित 11 मार्गो में वृद्धिकरण का प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। ई-रिक्षाओं के लिए नवीन जोन - 1. जयपुर उत्तर (प्रस्तावित कोड गुलाबी एवं प्रस्तावित संख्या 8500) 2. जयपुर पूर्व (प्रस्तावित कोड हल्का हरा एवं प्रस्तावित संख्या 7500) 3. जयपुर सेंट्रल (प्रस्तावित कोड आसमानी एवं प्रस्तावित संख्या 7500) 4. जयपुर दक्षिण (प्रस्तावित कोड केसरिया एवं प्रस्तावित संख्या 8500) 5. जयपुर पष्चिम (प्रस्तावित कोड हल्का पीला एवं प्रस्तावित संख्या 7500) 6. मैट्रो जोन (प्रस्तावित कोड सफेद एवं प्रस्तावित संख्या 500) का अनुमोदन किया गया।

इसके साथ ई-रिक्षाओं हेतु प्रतिबंधित क्षेत्र निम्नानुसार हैः 1. रामनिवास बाग के पिछले गेट से जवाहर लाल नेहरू मार्ग जवाहर सर्किल तक 2. टोंक रोड रामबाग सर्किल से लक्ष्मी मंदिर सिनेमा तक 3. गांधी नगर मोड सेवाहर लाल नेहरू मार्ग पर स्थित गांधी सर्किल तक 4. जनपथ रोड 5. भवानी सिंह रांड 6. पृथ्वीराज रोड 7. सीकर रोड पर खासा कोठी से रोड नम्बर 14 तक कालवाड रोड चौमू सर्किल से 200 फीट बाईपास पुलिया तक 8. सिरसी रोड से 200 फीट बाईपास सिरसी पुलिया तक 9. किशनपोल परिवहन जोन के क्षेत्र के सीमावर्ती जोन हवामहल, सिविल लाईन्स, आदर्श नगर एवं मालवीयनगर में 500 मीटर तक संचालन की अनुमति होगी। 10. विद्याधर नगर क्षेत्र के मुरलीरपुरा जोन में सीकर रोड से 14 नबंर टीकेआई तक जयपुर नगर निगम सीमा क्षेत्र में वर्तमान में निर्धारित स्कोप 29000 में 6000 (सीएनजी / एलपीजी) ऑटोरिक्शाआ का स्कोप वृद्धिकरण करते हुये निर्धारित सीमा 35000 किये जाने का प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। जेडीसी ने निर्देश दिये कि जेडीए, नगर निगम एवं यातायात पुलिस सहित अन्य संबंधित विभाग आपसी समन्वय कर संयुक्त रूप से यातायात, पार्किंग, अतिक्रमण इत्यादि की नियमित रूप से निगरानी की जाये।

न्यूट अपडेट

घटिया सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने सौपा उपखंड अधिकारी को ज्ञापन

निर्माण के एक माह बाद ही उखड़ी सड़क

चमकता राजस्थान, चौमहला/झालावाड़ (रमेश मोदी)। झालावाड़ जिले की तहसील गंगधार क्षेत्र की झाला गुराड़िया पंचायत मुख्यालय से गरडॉ गांव तक बनी सड़क निर्माण के एक माह बाद ही उखड़ गई , जिससे नाराज ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में ठेकदार द्वारा घटिया सामग्री से निर्माण कर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुवे उपखंड अधिकारी गंगधार को ज्ञापन सौपकर जिम्मेदारो के विरुद्ध कार्यवाही करने की मांग की है ग्रामीणों ने बताया कि इस सड़क का निर्माण 27 जून 2024 को ही पूरा हुवा था जो पहली बरसात में ही उखाड़ कर टूट गई व कई जगह गड्ढे हो गए है।

अखिल राज्य कर्मचारी महासंघ डीग के जिला संयोजक बने सुशील प्रधान

चमकता राजस्थान, भरतपुर (राजवीर सिंह)। राजस्थान कानूनगो संघ के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुशील प्रधान को अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ जिला डीग का जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष महावीर शर्मा ने सुशील प्रधान को संगठन को मजबूती प्रदान करने एवं नवसृजित जिला डीग में शीघ्र जिला कार्यकारिणी एवं उप शाखों की कार्यकारिणी गठित कर, संगठन की गतिविधियों को सुचारु करने के निर्देश दिए हैं।

पीएम स्वनिधि योजना में 20 लोगों को किया लाभांवित

चमकता राजस्थान, जयपुर। बाड़ी नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी रविन्द्र सिंह के निर्देशानुसार पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के माध्यम से स्टेट बैंक परिसर में शिविर का आयोजन किया गया! शिविर में 20 लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया गया! प्रत्येक लाभार्थी को 10 हजार राशि उपलब्ध कराई गई, इस मौके पर सामुदायिक संगठन जोगेन्द्र सिंह मीणा, डीईओ तपेश बिधूडी, बैंक मैनेजर दीपक अग्रवाल, असिस्टेंट मैनेजर शिवराज सिंह मीणा, लोन शाखा से वेदप्रकाश मीणा सहित बैंक कार्मिक एवं लाभार्थी मौजूद रहे।

नपा अधिशासी रिश्वत लेते गिरफ्तार

चमकता राजस्थान, नीमकाथाना। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की एक टीम ने गुरूवार को नीमकाथाना जिला के अजीतगढ़ नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी को परिवादी से एक लाख 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

बाड़ी ट्रैफिक पुलिस ने थ्री व्हीलर रिक्शों के खिलाफ की कार्रवाई

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। बाडी में ट्रैफिक इंचार्ज किलेदार मीणा के नेतृत्व में टीम सहित थ्री व्हीलर रिक्शों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई की गई। रिक्शा चालक बिना लाइसेंस एवं बीमा के चलाते थे! बाजार में रिक्शा, रिक्शा चालक तेज स्पीड में होकर मुख्य बाजारों में से होकर निकलते थे, जिससे हमेशा अनहोनी की आशंका बनी रहती थी, जिसको लेकर बाडी ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज किलेदार मीणा, जितेंद्र कुमार हरसाना एवं मय जप्ता के साथ द्वारा कई बार इनको समझाया भी गया! लेकिन रिक्शा चालक अपनी मनमानी करते रहे! जिसको लेकर आज ट्रैफिक पुलिस ने रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्यवाही की

एवं रिक्शों को जब्त भी किया। यह कार्रवाई धौलपुर पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा, एडिशनल एसपी कमल कुमार जांगिड़, नरेंद्र कुमार एडिशनल एसपी बाड़ी, थानाधिकारी शिवलहरी मीणा के निर्देश पर की गई, कार्यवाही, इसी प्रकार आगे भी हम कार्यवाही करते रहेंगे!

छापोली में मालियों की ढाणी स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में किया पौधारोपण

➲ 250 पौधे छात्र-छात्राओं व ग्रामीणों को बांटे

चमकता राजस्थान,

उदयपुरवाटी (सुमेर सिंह राव)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत छापोली मे मालियो की ढाणी में स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर में शुक्रवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ' उगम संस्थान राजस्थान के नेतृत्व में वृक्षारोपण महा अभियान के तहत झुंझुनूं वन विभाग डीएफओ बनवारी लाल नेहरा तहसीलदार भीम सेन सैनी व सीआई गोपाल लाल जांगिड़ रैजर विजय कुमार फगेड़िया तथा उगम संस्थान की निकीता शेखावत, वन विभाग फोरेस्ट रघुवीर सिंह, विद्यालय प्रधानाध्यापक सतवीर

सिंह, व्याख्याता नरेंद्र जालोपिया, छापोली सरपंच प्रतिनिधि रामलाल सैनी, टोंक छिलरी सरपंच प्रतिनिधि पूर्ण सिंह शेखावत, रघुवीर नारनोलिया, गिरधारी लाल यादव पूर्व सरपंच भंवर लाल, जगदीश प्रसाद सैनी, दिनेश वर्मा, प्रकाश चंद्र, विकाश निर्मल, सुचित्रा, वर्षा रानी, सुनीता मील, अभिषेक सैनी, रामनिवास पौधारोपण शहीद कई बुद्धिजीवी एवं गणमान्य लोगों ने पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया ' इस दौरान स्कूल स्टाफ सहित छात्र छात्राएं व ग्रामवासी मौजूद थे तथा 250 पौधे छात्र छात्राओ व ग्रामीणों को बांटे गए।

शेखावाटी में होगा स्वर्णकार समाज का पहला राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह

चमकता राजस्थान, उदयपुरवाटी/ बुगाला (सुमेर सिंह राव)। मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का प्रदेश स्तर पर पहला सम्मान समारोह शेखावाटी अंचल के सीकर में 21 जुलाई को होगा। शिक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी प्रवीण मैढ़ व महामंत्री बजरंग लाल झींगा ने बताया कि कार्यक्रम में लगभग 2 सौ विद्यार्थियों के बायोडाटा आए हैं। जिन्होंने इस वर्ष माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अथवा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं अथवा 12 वीं कक्षा में 90% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं उनका सम्मान किया जाएगा। समारोह में युवा सांसद राजेश वर्मा मुख्य अतिथि होंगे।भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी डॉ जितेंद्र सोनी मुख्य वक्ता, रिटायर्ड जिला शिक्षा अधिकारी 'मैंढ़ रत्न' विद्योत्तमा वर्मा विशिष्ठ अतिथि होंगी। अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष शिवप्रसाद तोषावड़ करेंगे।इस मौके पर 12 वीं बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत अंक प्राप्त पड़ने वाली अलवर की प्राची तथा दसवीं बोर्ड में 99.17 प्रतिशत अंक लाने वाली कुमारी एकता का विशेष सम्मान किया जाएगा। मैढ़ ने बताया कि समारोह में विद्यार्थियों को अपने अभिभावकों के साथ उपस्थित होना जरूरी है। विद्यार्थी अपनी एक पासपोर्ट साइज फोटो एवं अंक तालिका की छाया प्रति साथ लेकर आना होगा।

गाँव दलेलपुरा में कृषक गोष्ठी का आयोजन

चमकता राजस्थान, दलेलपुरा (सुमेर सिंह राव)। ग्रामपंचायत दलेलपुरा , उपतहसील बबाई (खेतड़ी) के जागरूक किसानों के निवेदन स्वरूप सहायक कर्षि निदेशक श्रीमाधोपुर रामचंद्र बाजिया के मार्गदर्शन में पंचायत भवन दलेलपुरा में एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें खरीफ फसलों में वर्तमान में फड़का कीट में रोग व्याधि व उपचार पर विस्तार से चर्चा हुई। कैप्टन राम निवास ताखर ने समस्त ग्रामवासियों की और से फड़का कीट की रोकथाम के लिए सहायक कर्षि निदेशक को ज्ञापन सौपा। कृषक गोष्ठी में सहायक कर्षि निदेशक श्रीमाधोपुर रामचंद्र बाजिया, सहायक कृषि अधिकारी बबाई राजेश कुमार शेषमा, सहायक कर्षि अधिकारी बनवारी लाल सैनी, कृषि पर्यवेक्षक उद्यान श्री प्रकाश यादव कृषि पर्वेक्षक पूजा

यादव, माया कंवर, भोपाल राम सैनी, विजयपाल यादव व क्षेत्र के प्रगतिशील किसान कैप्टन राम निवास ताखर, सूबेदार सतबीर जाखड़, सत्येंद्र कुमार ताखर, सुरेन्द्र प्रकाश आदित्य, होशियार सिंह ताखर, मोजी राम ताखर, सूबेदार नाहर सिंह ताखर, धर्मपाल ताखर, सुनील ताखर, शक्ति सिंह ताखर, महाबीर ताखर, रतनलाल, हवा सिंह कर्णिया, सुनील मीणा, कुलदीप, बजरंग लाल सहित अनेक जागरूक कर्षक उपस्थित रहे।

इटली पुलिस ने गैंगस्टर अमरजीत को गिरफ्तार किया

चमकता राजस्थान, जयपुर। राजस्थान पुलिस ने पहली बार विदेश में एक गैंगस्टर को गिरफ्तार करवाया है। यह पुलिस की ऐसी पहली कार्रवाई है जब राजस्थान पुलिस की सूचना पर इटली पुलिस ने एक्शन लिया है। यह मामला एक सप्ताह पहले का है। पुलिस की ओर से यह सूचना अब सार्वजनिक की गई है। एडीजी क्राइम दिनेश एमएन ने बताया कि कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई जो बठिंडा जेल में बंद है और देश के बड़े कारोबारियों को जान से मारने की धमकियां देकर वसूली करता है।

लखनपुर मे पेयजल की किल्लत को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

चमकता राजस्थान

नदबई (राजवीर सिंह)। उप तहसील मुख्यालय लखनपुर मे पेयजल संकट को लेकर समाजसेवी एडवोकेट महेश लखनपुर के नेतृत्व मे उग्र प्रदर्शन कर जलदाय विभाग के खिलाफ रोष व्यक्त किया गया। लखनपुर ने बताया की हर 2- 4 दिन मे बोरबैल की मोटरें जल रहीं हैं। और नदबई अधिकारियों ने कान बंद कर रखें हैं। आमजनता के साथ उप तहसील लखनपुर परिसर एवं थाना लखनपुर बूंद बूंद पानी के लिए परेशान हैं। यहां आने वाले परिवादी एवं अपराध मे लिप्त आने वाले बंदी भी परेशानी हो रहे हैं। विभागीय अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा। और जब कभी भूले बिसरे पानी की उपलब्धता होती है तब भी वितरण सही नहीं किया जा रहा। इस भीषण गर्मी मे करीब एक घंटा सप्लाई की आवश्यकता है परन्तु 15-20 मिनट सप्लाई देकर इतिश्री कर ली जाती है। नाही किसी अधिकारी ने आज तक फील्ड विजिट की है

जिससे समस्या के कारणों का पता चल सके। उधर ग्रामीणों ने चेतावनी दी है यदि तीन दिवस मे व्यवस्था मे सुधार नहीं होता है तो बडे स्तर पर जल आंदोलन किया जाऐगा। इस अवसर लेखराज सोलंकी, परसराम पंडित, रामू बधेल, अमृत सिंह, विष्णु बघेल, गोविंद भगत, गब्बर खान, योगेंद्र राजपूत, गजराज लशकरी, ढिल्लो बघेल एवं अनेक युवा उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब जयपुर कोहिनूर ने 75 गरीब बच्चो को किया खाना वितरित

चमकता राजस्थान, जयपुर। रोटरी क्लब जयपुर कोहिनूर ने सावित्री बाई फुले पाठशाला, कच्ची बस्ती, गुर्जर की थड़ी, गोपालपुरा के लगभग 75 से अधिक बच्चो को भोजन के पैकेट वितरित किये। क्लब अध्यक्ष सुनील द्विवेदी एवं सचिव राम मनोहर गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम का कार्यक्रम का आयोजन रोटेरियन भुनेश्वरी एवं अशोक कुमार मीणा ने उनके पुत्र के जन्मदिन के अवसर पर किया एवं साथ ही उन्होंने 100 डॉलर यानी लगभग 8700/ इस अवसर पर रोटरी फाउंडेशन को देने की भी घोषणा की। उल्लेखनीय है कि 20 दिन पहले भी रोटेरियन राम किशन शर्मा ने रोटरी फाउंडेशन मैं 11000/ की राशि दी थी। इस अवसर पर रोटेरियन डॉ मुकेश शर्मा, सहायक प्रांतपाल रोटेरियन रामकेश मीना, रोटेरियन राम किशन शर्मा, रोटेरियन सत्य काम सहित अन्य लोग भी मौजूद थे।

एक नजर

उद्योगपतियों के साथ जिलाधिकारी ने की बैठक

भागलपुर। भागलपुर जिले के जिलाधिकारी डॉ नवल किशोर चौधरी ने अतिथिगृह में उद्योगपतियों के साथ बैठक की। बैठक में देश के विभिन्न भागों चेन्नई, तेलंगाना, जमशेदपुर सहित अन्य जगहों के उद्योगपति शामिल हुए। जिलाधिकारी ने कहा कि आज खास कर देश के विभिन्न भागों के उद्योगपतियों के साथ स्माल इन्वेस्टर मीट रखी गई है। भागलपुर की जो सिल्क कारोबारियों की खोई हुई प्रतिष्ठा है वह बहुत जल्द ही वापस आने वाली है। उन्होंने कहा कि यहां हमलोग सिल्क व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए जगह की व्यवस्था के साथ साथ उद्योगपतियों से इन्वेस्ट भी कराएंगे।

अगस्त माह से शुरु होगा रेल ओवर ब्रिज

पूर्वी चंपारण। जिला मुख्यालय मोतिहारी कोर्ट स्टेशन के समीप चल रहे आरओबी का निर्माण कार्य अगस्त माह में पूरा हो जाएगा। आरओबी के दोनों ओर का काम लगभग पूर्ण हो गया है रेललाइन के ऊपर कार्य शेष रह गया है, जिसके लिए रेल पथ को दो दिन ब्लॉक रखना होगा। इसके लिए रेलवे को पत्राचार कर ब्लॉक की तिथि निर्धारित करने की मांग की गई है। डीएम ने बापूधाम रेलवे स्टेशन से बाजार समिति जाने वाली सड़क पर आवश्यक निर्माण कार्य कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने पंचायत सरकार भवन के लिए जमीन की उपलब्धता कस सीमांकन कराने का भी निर्देश दिया। इस संदर्भ में कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल मोतिहारी ने बताया कि रक्सौल, बनकटवा, रामगढ़वा एवं बंजरिया के अंचल अधिकारी से बात हो गई है और वहां जमीन चिन्हित कर ली गयी है,जिसका प्रस्ताव शीघ्र जिला को भेजा जाएगा।

बीएसएफ ने किया मेगा वृक्षारोपण अभियान

सिलीगुड़ी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) बैकुंठपुर द्वारा 93 वीं और 195 वीं बटालियन और वन विभाग बैकुंठपुर रेंज ने संयुक्त रूप से एक पेड़ मां के नाम थीम के तहत एक मेगा वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। बीएसएफ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी गई। बीएसएफ के अनुसार , एसटीसी बीएसएफ बैकुंठपुर के महानिरीक्षक संजय गौड, कमांडेंट (सीआई) आर के श्रीवास्तव, कमांडेंट, 93 बटालियन बीएसएफ संजय कुमार सिंह, कमांडेंट, 195 बटालियन बीएसएफ सुनील कुमार और डीएफओ बैकुंठपुर रेंज राजा एम की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजित किया गया ।इस मेगा वृक्षारोपण अभियान में बीएसएफ अधिकारियों के साथ बीएसएफ उत्तर बंगाल की महिला भर्ती प्रशिक्षुओं और वन विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। इस विशाल वृक्षारोपण अभियान के दौरान कुल 19,950 पौधे लगाए गए।

मनी लॉंड्रिंग मामले में एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठिकानों पर ईडी की रेड

पटना। मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की टीम ने विवादों में रही एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठिकानों पर रेड की है। मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत पर प्रवर्तन निदेशालय की टीमें एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठिकानों पर शुक्रवार की सुबह-सुबह दबिश दी है। पटना के अलावा दिल्ली में भी कंपनी के ठिकानों पर रेड चल रही है। कंपनी के क्षेत्रीय कार्यालय समेत प्रोजेक्ट कार्यालयों में भी छापेमारी चल रही हैं। भागलपुर के सुल्तानगंज में अगुआनी पुल हादसे के बाद एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी चर्चा में आई थी। अगुआनी घाट पर निमार्णाधीन पुल का एक हिस्सा तास के पत्तों की तरह भर-भराकर गिर गया था और कई पाया गंगा में समा गए थे। इस घटना को लेकर खूब हंगामा हुआ था। अगुवानी पुल का निर्माण कर रही एसपी सिंगला कंपनी के ऊपर की गंभीर आरोप भी लगे थे। उस समय बिहार में विपक्ष में रही भाजपा ने सरकार और तत्कालीन पथ निर्माण मंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव पर पुल के टेंडर में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया था।

मछली व्यवसायी को मारी गोली

नदिया। नदिया जिले के कृष्णानगर कोतवाली थानांतर्गत मछली बाजार में सुबह एक मछली व्यावसायी को सरेआम गोली मार दी गई। घायल मछली व्यावसाई का गंभीर हालत में अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कृष्णानगर के नागेंद्रनगर इलाके के निवासी समीर घोष और विश्वनाथ घोष नाम के दो भाई मछली का कारोबार करते हैं। वे प्रतिदिन कृष्णानगर के गोवारी बाजार से मछली खरीदते हैं और उसे दूसरे बाजार में बेच देते हैं। वे रोज की तरह सुबह मछली खरीदने के लिए गोवारी बाजार गए। आरोप है कि अचानक उस इलाके के कुछ बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और रंगदारी की मांग की। जब उन्होंने रंगदारी देने से इनकार कर दिया तो बदमाशों ने अचानक पिस्तौल निकाल ली और दोनों भाइयों पर गोली चलानी शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में संपन्न हुई मंत्रिमंडल की बैठक

राज्य कैबिनेट की बैठक में 27 प्रस्तावों को मंजूरी

पंचायतों में अब 15 लाख रुपये से कम की योजनाओं का भी टेंडर होगा

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 27 प्रस्तावों को हरी झंडी मिली। डबल इंजन सरकार ने भवन निर्माण, पंचायती राज, वित्त विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, वाणिज्य कर विभाग, परिवहन विभाग, कला संस्कृति एवं युवा विभाग, जल संसाधन विभाग, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, कृषि विभाग, खेल विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, भवन निर्माण विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग, सूचना एवं जन संपर्क, अल्पसंख्यक कल्याण और शिक्षा विभाग से जुड़े अहम प्रस्तावों पर स्वीकृति दी । कैबिनेट की बैठक के बाद अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने बताया कि पंचायतों में अब 15 लाख रुपये से कम की योजनाओं का भी टेंडर होगा। राज्य सरकार ने पंचायत निर्माण कार्य नियमावली को स्वीकृत दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगाया गया है। सरकार के इस कदम से अब अब मुखिया और पंचायत सचिवों की मनमानी नहीं चलेगी। एस सिद्धार्थ ने बताया कि नियमावली में अब यह प्रावधान है, जिससे मुखिया और पंचायत सचिवों की मनमानी पर रोक लगेगी। छोटे कामों के भी ठेकेदारों का पैनल बनेगा। उसकी बिड लगेगी और बोली में ही चयनित व्यक्ति को वह काम दिया जाएगा। एस सिद्धार्थ ने बताया कि राज्य के सभी 38 जिलों में जिला परिषद की जमीन को लीज पर देने के लिए भी सरकार ने अब नीति बना दी है। 30 से 50 साल यानी लांग टर्म नीति के लिए राज्य सरकार की अनुमति लेनी होगी। उन्होंने बताया कि खेती-किसानी के लिए भी लीज बाजार मूल्य पर देना होगा जो अधिकतम पांच साल का होगा। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि अब गया और मोतिहारी के बाद भागलपुर के विक्रमशिला में राज्य के तीसरे केंद्रीय विश्वविद्यालय खुलने का भी रास्ता साफ हो गया है। सरकार ने 205 एकड़ जमीन अधिग्रहित करने के लिए 87.99 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति 2024 की भी स्वीकृति मंत्रिमंडल ने दे दी है। शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए नीतीश सरकार ने एक नई योजना मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना को भी कैबिनेट में मंजूरी दे दी है।

इलाज के लिए 'अस्थायी ब्रेक' के बाद कोलकाता लौट आए अभिषेक

कोलकाता। एक महीने पहले एक्स हैंडल पर एक संदेश के साथ राजनीति से अस्थायी ब्रेक मांगा था। बाद में इलाज के लिए विदेश चले गए। तृणमूल के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी 21 जुलाई से ठीक पहले कोलकाता लौट आये। अभिषेक शुक्रवार सुबह दमदम एयरपोर्ट पर उतरे। अभिषेक ने 12 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर राजनीति से अस्थायी ब्रेक मांगे थे । इसके बाद वह सक्रिय राजनीति में नजर नहीं आये। हालाँकि, डायमंड हार्बर सांसद ने 25 जून को लोकसभा में शपथ ली। इसके बाद वह विदेश चले गये। सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक अमेरिका में आंखों का इलाज कराने दुबई गए थे। 21 जुलाई से पहले वह शहर लौट आये।

पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया गया

संवाददाता

कोलकाता। पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया गया। पश्चिम बंगाल पुलिस के मुख्यालय भवानी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर इस पोर्टल को लॉन्च किया गया। पहले पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट कोलकाता पुलिस कमिश्नरेट और बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट में ऑनलाइन उपलब्ध था। अब तक यह प्रमाणपत्र पश्चिम बंगाल पुलिस के अधीन क्षेत्रों में मैन्युअल रूप से उपलब्ध था। इससे आम लोगों को परेशानी हो रही थी। पश्चिम बंगाल सरकार और पश्चिम बंगाल पुलिस की संयुक्त पहल में पश्चिम बंगाल के आम लोगों के लिए पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया गया है। यह वेबसाइट ढउउ.हइ.ॅङ्क५.ल्ल और पश्चिम बंगाल पुलिस की वेबसाइट पर भी लिंक है। आवेदन के 72 घंटे से एक सप्ताह के भीतर प्रमाणपत्र ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। यह आवेदन बंगाल के बाहर से भी ऑनलाइन माध्यम से किया जा सकता है। ऑनलाइन माध्यम के साथ-साथ मैनुअल माध्यम भी समानांतर रूप से उपलब्ध है। यह सर्टिफिकेट सिर्फ पासपोर्ट के लिए ही नहीं बल्कि विदेश में काम करने जाने के लिए भी जरूरी होता है। पश्चिम बंगाल पुलिस एक से दो सप्ताह में एक और सेवा शुरू करने जा रही है। शुक्रवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुकेश कुमार जैन, आईपीएस, आईजीपी ट्रैफिक, पश्चिम बंगाल, सुप्रतिम सरकार, एडीजी, आईजीपी, दक्षिण बंगाल और अजय कुमार, एडीजी, आईजीपी (मुख्यालय), पश्चिम बंगाल ने भाग लिया। पीसीसी के लिए ऑनलाइन आवेदन कैसे करेंगे? वेबसाइट पर जाएं और 'अस्त्रस्त्र' पर क्लिक करें और मोबाइल नंबर से वेरिफिकेशन करें। - फिर आवेदन पेज पर मांगी गई जानकारी भरें और सबमिट करें। आधार कार्ड से जुड़े मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी भेजा जाएगा। ओटीपी देने के बाद आपको जहां यह सर्टिफिकेट चाहिए वहां पर क्लिक करके 300 रुपये का भुगतान करना होगा। आवेदन जमा होते ही आपका आवेदन संबंधित जिले के एसपी कार्यालय और स्थानीय थाने के अधिकारियों के पास पहुंच जाएगा।

विधायकों की शपथ की जटिलता को लेकर राजभवन के 3 सवाल, स्पीकर ने दिया जवाब पत्र

संवाददाता

कोलकाता। नवनिर्वाचित चार विधायकों की शपथ के पेंच से बचने के लिए विधानसभा पूरी तरह तैयार है। राजभवन के तीन सवालों के जवाब में स्पीकर बिमान बनर्जी ने पत्र भेजा। इससे पहले पत्र में इस बात की विस्तृत जानकारी दी गई है कि सयंतिका बनर्जी और रेयात हुसैन सरकार ने किन परिस्थितियों में शपथ ली थी। सूत्रों के मुताबिक, नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाने के लिए राज्यपाल क्या कदम उठाएंगे, इस पर निर्भर न रहकर विधानसभा ने अपनी तैयारी कर ली है। पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव जीतने वाले चार विधायकों की शपथ को लेकर कोई और जटिलता नहीं चाहती। तभी विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश पर विधानसभा मंत्री शोभनदेव चटर्जी पत्र राजभवन ले आये। राजभवन की ओर से तीन सवालों के जरिए पिछली शपथ के बारे में पूछा गया। शुक्रवार को उस पत्र का जवाब देते हुए स्पीकर बिमान बनर्जी ने कहा कि सयंतिका और रेयात ने किन परिस्थितियों में शपथ ली। इस संदर्भ में स्पीकर ने विधानसभा की संसदीय शैली का जिक्र किया है। बताया गया कि राज्यपाल ने उपसभापति को शपथ दिलाने की जिम्मेदारी दी है। लेकिन परंपरा के अनुसार, यदि अध्यक्ष सत्र के दौरान उपस्थित रहता है तो उपाध्यक्ष शपथ समारोह का संचालन नहीं कर सकता है। इसलिए उस नियम के मुताबिक डिप्टी स्पीकर आशीष बनर्जी ने विधायकों को शपथ दिलाने की जिम्मेदारी स्पीकर को सौंप दी। इसलिए स्पीकर बिमान बनर्जी ने वह कर्तव्य निभाया है। सूत्रों के मुताबिक, इस पत्र के बाद राजभवन की ओर से नए 4 विधायकों के शपथ के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। नतीजतन, विधानसभा सचिवालय मौजूदा सत्र की शुरूआत में ही उस प्रकरण का निपटारा करना चाहता है। पिछले 10 तारीख की उपचुनाव में मानिकतला, राणाघाट दक्षिण, रायगंज और बागदा को चार नए विधायक मिले। सभी तृणमूल से हैं। सायंतिका-रेयत की तरह उनकी सपथ से समय बर्बाद न हो, इसलिए सभा शुरू से ही सक्रिय रही है। विधानसभा का प्रतिस्थापन सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा। उस सत्र में शपथ ग्रहण कराया जा सकता है।

प्रदेश में फिर सामूहिक पिटाई, बच्चा चोरी के संदेह में चार युवक गिरफ्तार

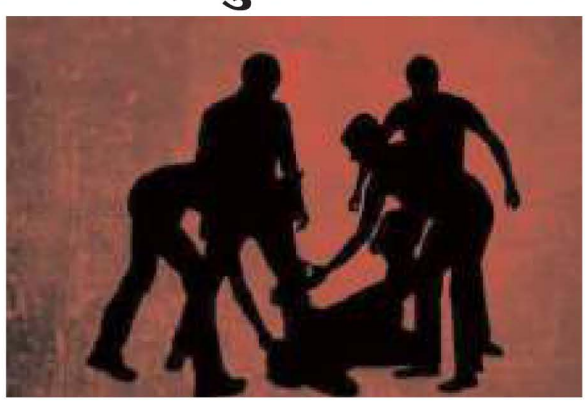

संवाददाता

कोलकाता। प्रदेश में फिर सामूहिक पिटाई। इस बार घटना पूर्वी बर्दवान के कांकसा की है। स्थानीय निवासियों ने बच्चा चोरी के संदेह में चार युवकों की पिटाई कर दी। इस घटना से इलाके में व्यापक तनाव फैल गया। खबर पाकर कांकसा थाने की बड़ी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बच्चे को छुड़ाया और आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया। कांकसा थाना पुलिस घटना की जांच कर रही है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार की सुबह कांकसा थाना क्षेत्र के बनकाटी पंचायत से 11 माइल दूर बिलपाड़ा इलाके में चार युवकों को गोद में एक बच्चे को लेकर घूमते देखा गया। जैसे ही आसपास के लोगों को शक हुआ तो उन्होंने उसे एक होटल में बंद कर दिया। बाद में उनकी जमकर पिटाई की गई। खबर पुलिस तक गयी। उन्होंने आकर चारों युवकों को गुस्साई भीड़ से बचाया। बच्चे को भी प्रशासन के पास रखा गया है। युवकों से पूछताछ करने पर संतोषजनक जवाब न मिलने पर उन्हें हिरासत में ले लिया गया। शुरूआती जांच के बाद पुलिस ने अनुमान लगाया कि गिरफ्तार लोगों में से एक बच्चे को इलाज के लिए ले जा रहा था। उस समय स्थानीय लोगों को संदेह होने पर उसे और तीन अन्य युवकों को बेधड़क मार दिया गया। युवक की पहचान के प्रयास चल रहे हैं। पुलिस ने यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है कि क्या हुआ था। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में सामूहिक पिटाई की घटना घाट रही है। प्रशासन के शीर्ष स्तर से जिले के अधिकारियों को सामूहिक पिटाई रोकने के सख्त निर्देश दिये गये हैं। फिर भी छिटपुट घटनाएं होती रहती हैं। कुछ कदम उठाए भी गए हैं। हालांकि, लगातार हो रही गणप्रहार से जिला प्रशासन चिंतित है।

देशी विदेशी शराब के साथ तीन गिरफ्तार,भेजे गए जेल

नवादा । नवादा जिले के रजौली थानाक्षेत्र के धमनी पंचायत के छतनि गाँव से गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर देशी शराब के साथ दो कारोबारी को गिरफ्तार किया है।

चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी से वाहन जांच के दौरान बियर और विदेशी शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में अवर निरीक्षक उत्पाद पिंटु कुमार ने बताया गुप्त सूचना मिली कि छतनि गांव मे देशी शराब पहुंचाया जा रहा है ।सूचना के आलोक में सहायक अवर निरीक्षक बिशु हेम्ब्रम को भेजा गया।जैसे ही पुलिस आते देखा वैसे शराब कारोबारी भागने का प्रयास करने लगा ।जिसके बाद उत्पाद बल के सहयोग से पकड़ा गया और उक्त शराब कारोबारी से 21 लीटर देशी महुआ को जब्त किया गया। जिसके बाद दोनों कारोबारी को बाइक सहित समेकित जाँच चौकी लाया गया।

एसएसबी व पुलिस की संयुक्त कारवाई में 78 किलो गांजा समेत दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी 71वीं वाहिनी के जवानो और महुआवा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 78 किलो गांजा की खेप के साथ दो तस्कर गिरफ्तार किये गये। इसकी जानकारी देते एसएसबी अधिकारियो ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि कुछ तस्कर नेपाल की ओर से गांजा की खेप लेकर आने वाले है,सूचना के आलोक में भारतीय सीमा में एसएसबी के जवान व महुआवा पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चौकसी बढायी गयी। इसी बीच पिलर संख्या 380/2 कोरैया गांव के निकट कुछ तस्कर गांजा समेत भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे थे।जिसमे दो तस्करो को दबोच लिया गया। हालांकि कुछ तस्कर गन्ने के खेत का लाभ उठाकर नेपाल की ओर भागने में सफल रहे। पकड़े तस्कर की पहचान केसरिया थाना क्षेत्र के सागर चुरामन निवासी प्रमोद महतो (33) निकेश महतो (23) के रूप में हुई है।इनके पास 78 किलो गांजा बरामद किया गया है। जबकि इनसे पूछताछ कर अन्य तस्करो की पहचान की जा रही है।

अल्पसंख्यकों ने मालदा में पुलिस पर हमला किया, इस्तीफा दें ममता: शुभेंदु

एजेंसी

कोलकाता। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मालदा जिले के मनिकचक में हुई हिंसा को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा है कि जैसे संदेशखाली में ममता बनर्जी के दुलारे अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने ईडी पर हमला किया वैसे ही इसी समुदाय के लोगों ने बेलगाम तरीके से मालदा में इस मॉडल को अपनाते हुए पुलिसकर्मियों पर हमला किया है। शुभेंदु अधिकारी ने अपने ट्वीट में कहा कि ₹इतिहास खुद को दोहराता है,₹ और बंगाल में यह कहावत पूरी तरह से सटीक बैठती है।

उन्होंने बताया कि संदेशखाली मॉडल के नाम से मशहूर हो चुकी भीड़तंत्र की घटनाओं ने पूरे राज्य में कानून अपने हाथ में लेने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। अधिकारी ने कहा कि संदेशखाली के 'बेताज बादशाह' के गुंडों द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों पर हमले ने पूरे राज्य के एक विशेष समुदाय को प्रेरित किया है, जो अब कानून व्यवस्था के रक्षकों पर हमला करना अपना अधिकार समझने लगे हैं।

अधिकारी ने कहा है कि यह मॉडल हाल ही में मालदा के मनिकचक में भी देखने को मिला, जहां अल्पसंख्यक-बहुल इनायतपुर में हिंसक भीड़ ने पश्चिम बंगाल पुलिस के वाहनों को नुकसान पहुंचाया, अधिकारियों पर शारीरिक हमला किया और उनके कैंप को जला दिया। बिना किसी बचाव के, पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए गोली चलानी पड़ी। इस घटना ने बंगाल को 'जंगल राज' की ओर बढ़ते हुए दिखाया है। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि बाहरी तत्वों को दोष देना बेकार है। इसके लिए पश्चिम बंगाल की गृह मंत्री ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं, जिनकी निरंतर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की नीति ने हालात को बदतर बना दिया है। अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी ने तुष्टिकरण की जो चिंगारी जलाई थी, वह अब उनके नियंत्रण से बाहर हो गई है। एक समय कानून व्यवस्था के एजेंट माने जाने वाले पुलिसकर्मी अब बढ़ते 'जंगल राज' को नियंत्रित करने में असमर्थ हैं। बंगाल 'तालिबानी शासन' की कगार पर खड़ा है। ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग उन्होंने सवाल उठाया कि जब पुलिस खुद को सुरक्षित नहीं रख सकती और अपनी जान बचाने के लिए भागने को मजबूर है, तो वे करोड़ों आम नागरिकों की सुरक्षा कैसे करेंगे? अब समय आ गया है कि गृह मंत्री अपनी असफलताओं को स्वीकार करें और पद छोड़ दें। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को बिजली कटौती के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोगों ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया था। बचाव में पुलिस कर्मियों को फायरिंग करनी पड़ी थी।

बिजली की कटौती से आमलोग परेशान गर्मी और उमस से लोगो का हाल बेहाल

विभाग के लोग नही उठाते फोन

संवाददाता

महाराजगंज (सीवान)। विगत कुछ दिनों से बिजली की कटौती से आमजन के साथ विद्युत उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं। एक तरफ भीषण गर्मी और उमस है तो दूसरी तरफ घंटो बिजली आपूर्ति बंद रहने के कारण आमजन के साथ बिजली उपभोक्ता परेशान रह रहे हैं।

हालात यह है कि लोगों को पानी भी मुश्किल से मिल पा रहा है। बिजली कटौती का कोई निर्धारित समय नही है। विभाग जब चाहता है लाइन काट देता है। कटौती भी कई घंटों की होती है, जिससे लोगो के घरों में लगे इन्वर्टर भी जबाब दे जाते हैं। फिर इस गर्मी में छोटे छोटे बच्चों का हाल बेहाल हो जाता है। इधर महाराजगंज के बिजली विभाग के सब स्टेशन और कनीय अभियंता को फोन करने पर फोन नही उठाया जाता है। आम लोगों की भी यह शिकायत है कि विभाग के कर्मियों द्वारा एवं पदाधिकारियों द्वारा फोन नहीं उठाया जाता है और ना ही सही जानकारी दी जाती है। हालत यह है कि जहां या दावा किया जाता था कि बिजली की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रहेगी, आज बिजली के लिए लोग परेशान और बेहाल हैं।

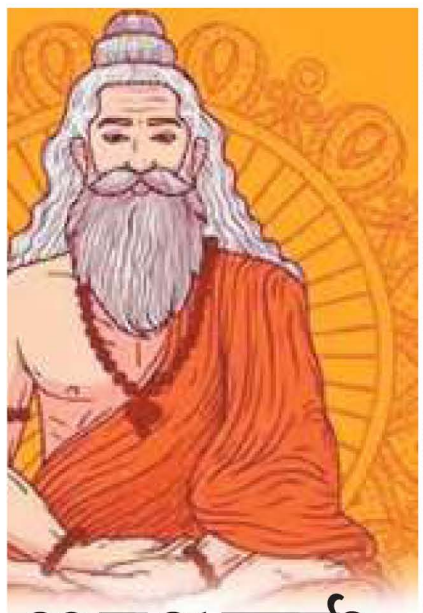

20 या 21 जुलाई? कब है गुरु पूर्णिमा?

धार्मिक मान्यता है कि आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि को वेदों के रचयिता महर्षि वेदव्यास जी का जन्म हुआ था। इसी वजह से इसे गुरु पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। सनातन धर्म में व्रत और पर्व पर स्नान और दान करने का विशेष महत्व है। ठीक इसी प्रकार पूर्णिमा तिथि पर पूजा जप तप और दान किया जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह में गुरु पूर्णिमा का पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन चंद्र देव अपने पूर्ण आकार में होते हैं। इस शुभ तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। इस बार गुरु पूर्णिमा की डेट को लेकर लोग अधिक कन्फ्यूज हो रहे हैं। कुछ लोग गुरु पूर्णिमा 20 जुलाई की बता रहे हैं। वहीं, कुछ लोग गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई को मनाने की बात कह रहे हैं। आइए इस लेख में हम आपको हिंदू पंचांग के अनुसार बताएंगे कि गुरु पूर्णिमा की सही डेट, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

गुरु पूर्णिमा शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 20 जुलाई दिन शनिवार को शाम 05 बजकर 59 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि की समाप्ति अगले दिन 21 जुलाई, 2024 दिन रविवार को दोपहर 03 बजकर 46 मिनट पर होगी। उदयातिथि को देखते हुए गुरु पूर्णिमा का पर्व 21 जुलाई को मनाया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा पूजा विधि

गुरु पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी और दिन की शुरुआत भगवान विष्णु और वेदों के रचयिता वेद व्यास जी के ध्यान से करें। गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। साफ वस्त्र धारण कर सूर्य देव को जल अर्पित करें। इस दौरान इस मंत्र का जप करें।

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु र्गुरुर्देवो महेश्वर:
गुरु साक्षात परब्रह्मा तस्मै श्रीगुरवे नम:

इसके पश्चात श्री हरि और वेद व्यास जी को फल, फूल, धूप, दीप, अक्षत, हल्दी, दूर्वा आदि चीजें अर्पित करें। साथ ही दीपक जलाकर आरती करें। भगवान विष्णु और गुरु चालीसा और गुरु कवच का पाठ करें। प्रभु को खीर और फल समेत आदि चीजों का भोग लगाएं। अंत में सच्चे मन से बल, बुद्धि, विद्या, सुख और समृद्धि की कामना करें। इस दिन श्रद्धा अनुसार गरीब लोगों में अन्न, धन और वस्त्र का दान करें।

भगवान विष्णु के मंत्र

- ऊँ नमो: नारायणाय।।
- ऊँ नमो: भगवते वासुदेवाय।।
- ऊँ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु: प्रचोदयात।।
- शान्ताकारम् भुजगशयनम् पद्मनाभम् सुरेशम विश्वाधारम् गगनसदृशम् मेघवर्णम् शुभाङ्गम। लक्ष्मीकान्तम् कमलनयनम् योगिभिर्ध्यानगम्यम
- वन्दे विष्णुम् भवभयहरम् सर्वलोकैकनाथम।।

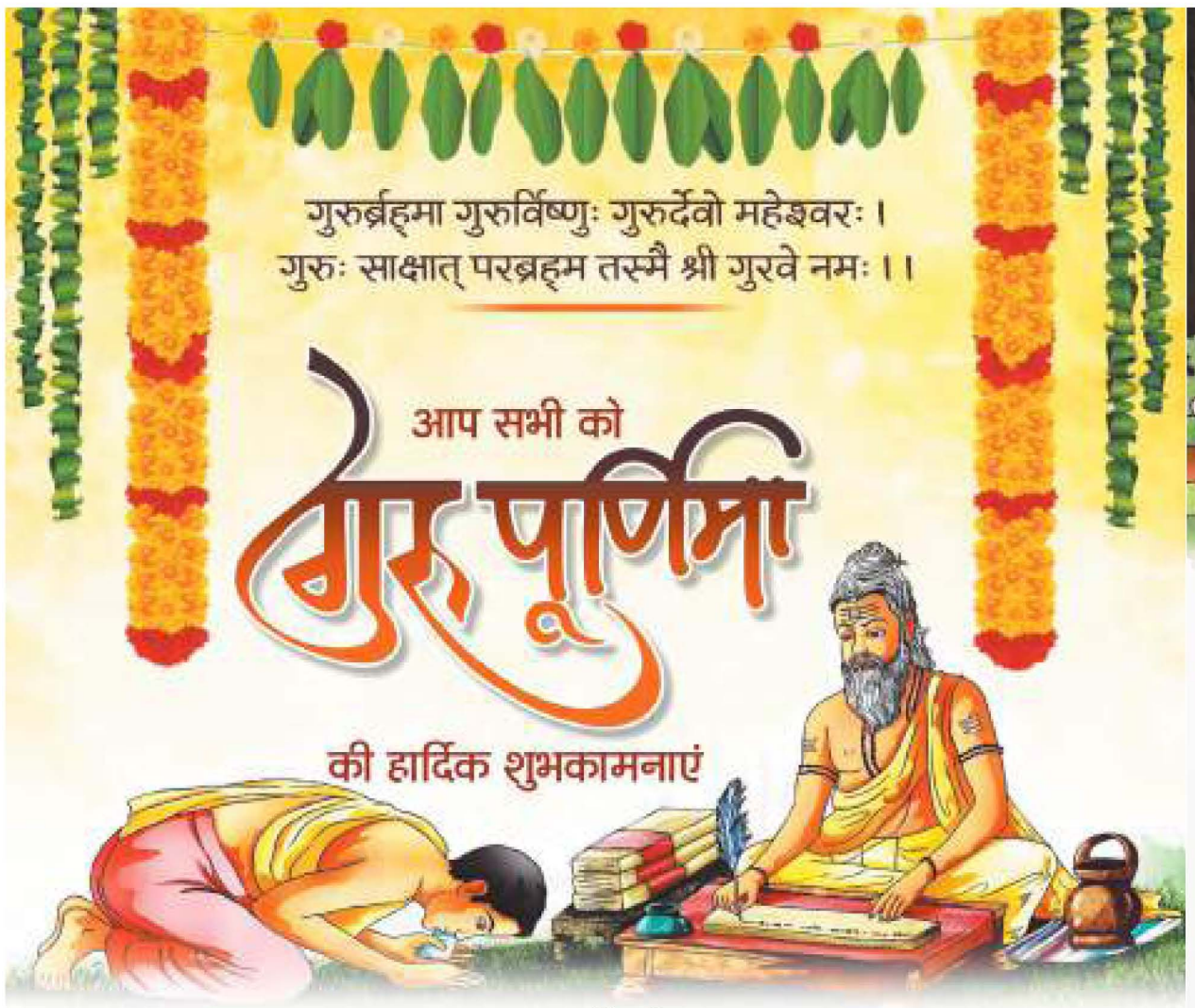

क्यों मनाते हैं गुरु पूर्णिमा क्या है इसका महत्व?

आषाढ़ पूर्णिमा को देश भर में गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। गुरु पूर्णिमा का दिन गुरु के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट करने का एक विशेष अवसर होता है।

साल 2024 में गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई 2024 को मनाई जाएगी। पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 20 जुलाई को शाम 5 बजकर 59 मिनट से होगी, जिसका समापन 21 जुलाई को दोपहर 03 बजकर 46 मिनट होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि का अधिक महत्व है। ऐसे में गुरु पूर्णिमा का पर्व 21 जुलाई को मनाया जाएगा।

गुरु की महिमा

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। 'गुरु' शब्द संस्कृत भाषा से आया है, जिसका अर्थ है- अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला। गुरु ही वह व्यक्ति है जो हमें अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। गुरु के बारे में उल्लेख करते हुए शास्त्रों में कहा गया है-

अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जन शलाकया ।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नम: ॥

अर्थात् गुरु ही हमें ज्ञान या परमार्थ की जागरूकता का मरहम लगाकर अज्ञानता के अंधकार की पीड़ा से बचा सकते है, हम ऐसे गुरु को प्रणाम करते हैं। गुरु की महिमा का वर्णन हमारे वेदों, पुराणों, और अन्य धार्मिक ग्रंथों में भी विस्तृत रूप से किया गया है। गुरु पूर्णिमा के दिन शिष्य अपने गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करते हैं।

गुरु पूर्णिमा का महत्व

गुरु पूर्णिमा का पर्व महर्षि वेद व्यास के जन्मदिवस के रूप में भी मनाया जाता है। महर्षि वेद व्यास ने वेदों का संकलन किया और महाभारत जैसे महाकाव्य की रचना की। इसलिए इस दिन को 'व्यास पूर्णिमा' भी कहा जाता है। वेद व्यास को प्रथम गुरु के रूप में मान्यता दी जाती है, जिन्होंने ज्ञान को सुव्यवस्थित करके विश्व को उपहारस्वरूप प्रदान किया था। हिन्दू धर्म के अतिरिक्त बौद्ध धर्म में भी इस दिन का विशेष महत्व है क्योंकि इसी दिन गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपने पांच शिष्यों को प्रथम उपदेश दिया था, जिसे 'धर्म चक्र प्रवर्तन' के नाम से जाना जाता है। जैन धर्म में भी इस दिन को महत्त्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इस दिन ही भगवान महावीर ने अपने प्रथम शिष्य गौतम गणधर को दीक्षा दी थी।

गुरु पूर्णिमा का उत्सव

गुरु पूर्णिमा के दिन शिष्य अपने गुरुओं की पूजा-अर्चना करते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इस दिन का आरंभ प्रात:काल में स्नान और ध्यान से होता है। इसके बाद गुरु की पूजा की जाती है, जिसमें फूल, फल, वस्त्र, और मिठाई अर्पित की जाती है। कई स्थानों पर विशेष भजन, कीर्तन, और सत्संग का आयोजन होता है। कई लोग इस दिन उपवास भी रखते हैं और अपने गुरु के दिए हुए ज्ञान और उपदेशों का अनुसरण करने का संकल्प लेते हैं।

आधुनिक युग में गुरु पूर्णिमा

आज के आधुनिक युग में भी गुरु पूर्णिमा का महत्व बना हुआ है। हालांकि गुरु-शिष्य परंपरा में समय के साथ बदलाव आए हैं, लेकिन गुरु के प्रति आदर और सम्मान की भावना आज भी उतनी ही प्रबल है। आज के समय में गुरु केवल धार्मिक या आध्यात्मिक गुरुओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे शिक्षक, मार्गदर्शक, और प्रेरणादायक व्यक्तियों के रूप में हर क्षेत्र में विद्यमान हैं। गुरु पूर्णिमा का पर्व हमें यह याद दिलाता है कि ज्ञान प्राप्ति की प्रक्रिया में गुरु का स्थान कितना महत्वपूर्ण है। यह दिन हमें अपने गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त करने और उनके सिखाए गए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उपनिषदों में कहा गया है-

ऊँ सह नाववतु। सह नौ भुनक्तु।
सह वीर्यं करवावहै।
तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै॥
ऊँ शांति, शांति, शांति:

अर्थात् परमेश्वर हम शिष्य और गुरु दोनों की साथ-साथ रक्षा करें। हम दोनों को साथ-साथ विद्या के फल का भोग कराए। हम दोनों एकसाथ मिलकर विद्या प्राप्ति का सामर्थ्य प्राप्त करें। हम दोनों का पढ़ा हुआ तेजस्वी हो। हम दोनों परस्पर द्वेष न करें। शांति शांति शांति।

गुरु पूर्णिमा का पर्व न केवल हमारे गुरुओं के प्रति आदर और सम्मान का प्रतीक है, बल्कि यह हमें ज्ञान और सच्चाई की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा भी देता है। इस दिन का महत्व सदियों से बना हुआ है और यह हमें हमारी संस्कृति, परंपरा, और मूल्यों की याद दिलाता है। गुरु पूर्णिमा का उत्सव मनाकर हम अपने जीवन में गुरुओं के योगदान को सम्मानित करते हैं और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि सही मार्गदर्शन और ज्ञान से हम अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं।

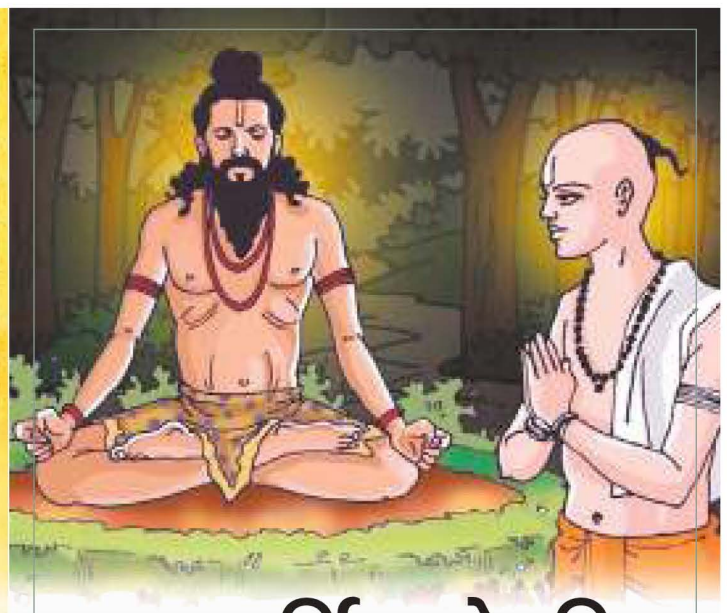

गुरु पूर्णिमा के दिन जरूर करें तुलसी से जुड़े ये उपाय, भगवान विष्णु की बनी रहेगी कृपा

गुरु पूर्णिमा, जिसे व्यास पूर्णिमा और वेद पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, हिन्दू धर्म में एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह पूर्णिमा के दिन, आषाढ़ मास में मनाया जाता है। इस वर्ष, गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई 2024 को रविवार के दिन मनाया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा का मुख्य उद्देश्य गुरु का सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना है। इस दिन, शिष्य अपने गुरुओं के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति प्रकट करते हैं। गुरु पूर्णिमा ज्ञान और शिक्षा का प्रतीक है। इस दिन, भगवान वेद व्यास, जिन्हें ज्ञान का देवता माना जाता है, को उनकी शिक्षाओं के लिए स्मरण किया जाता है। इतना ही नहीं, गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ माता लक्ष्मी की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। अब ऐसे में गुरु पूर्णिमा के दिन तुलसी के कुछ उपाय हैं। जिसे करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए तुलसी के उपाय

गुरु पूर्णिमा के दिन तुलसी मां को लाल चुनरी चढ़ाएं और श्रृंगार की सामग्री जरूर अर्पित करें। ऐसा करने से माता लक्ष्मी की कृपा जातक पर बनी रहेगी। साथ ही जातक को धन-धान्य की प्राप्ति हो सकती है।

मनोकामना पूर्ति के लिए तुलसी के उपाय

अगर आपकी कोई इच्छा है, जिसे आप पूरी करना चाहते हैं, तो गुरु पूर्णिमा के दिन एक पीले रंग के धागे में 108 गांठ लगाएं और इसके बाद इसे तुलसी के गमले में बांध दें। इसके साथ ही अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए तुलसी मां को प्रार्थना करें। इस उपाय को करने से जातक की मनोकामनाएं पूरी हो सकती है। साथ ही शुभ फलों की प्राप्ति भी हो सकती है।

शीघ्र विवाह के लिए तुलसी से जुड़े उपाय

गुरु पूर्णिमा के दिन तुलसी में लाल रंग का कलावा जरूर बांधें। ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से जातक को सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। इसके अलावा इस दिन तुलसी में कच्चा दूध चढ़ाएं और संध्या के समय घी का दीपक जलाकर तुलसी के पास रख दें। इससे शीघ्र विवाह के योग बन सकते हैं। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि हो सकती है।

कर्ज से छुटकारा पाने के लिए तुलसी के उपाय

अगर आपको बार-बार कर्ज से संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ता है, तो उससे छुटकारा पाने के लिए गुरुवार के दिन तुलसी माता को कौड़ी अर्पित करें और एक घी का दीपक जलाएं। साथ ही श्री नारायण के मंत्र का 11 बार जप करें। मंत्र है- 'ऊँ नमो भगवते नारायणाय।'। ऐसा करने से आपको कर्ज से छुटकारा मिल सकता है।

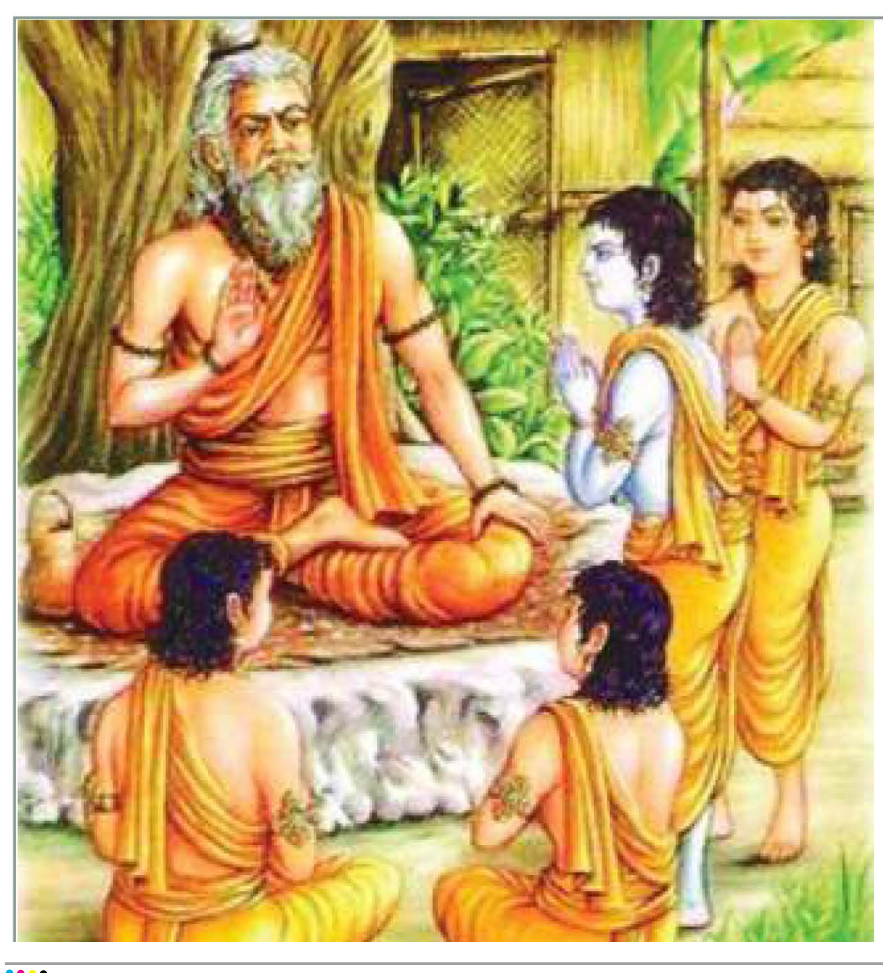

हल्दी गांठ की माला का 1 उपाय, बदलकर रख देगा आपका जीवन, गुरु पूर्णिमा पर करें धारण

हिन्दू धर्म में गुरु को ईश्वर से भी बड़ा दर्जा दिया गया है. ऐसा कहा भी गया है कि गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पांय, बलिहारी गुरु अपने गोविन्द दियो बताय. वहीं शास्त्रों में गुरु पूर्णिमा के दिन को अत्यंत शुभ बताया गया है, जो कि आषाढ़ माह आती है. इस बार गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई को मनाई जा रही है. यह दिन पूरी तरह से गुरु के लिए समर्पित है और लोग इस दिन अपने गुरु से आशीर्वाद लेते हैं. पुराणों के अनुसार, इस तिथि के दिन महाभारत के रचयिता ऋषि वेद व्यास का जन्म हुआ था, इसलिए इस दिन को गुरु पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है. इस दिन कुछ विशेष उपायों से आपके जीवन में जबरदस्त बदलाव आ सकते हैं. इनमें से एक है हल्दी के गांठ की माला धारण करना. इसे कैसे धारण करें? किन बातों का रखें ध्यान और क्या है इसका महत्व?

हल्दी की गांठ की माला का महत्व

आपको बता दें कि पीला रंग भगवान विष्णु का प्रिय है. वहीं हल्दी का रंग भी पीला होता है और इसे पवित्र माना जाता है. ऐसे में ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हल्दी की माला पहनने से ग्रह-दोषों से मुक्ति मिलती है. साथ ही हल्दी की माला पहनने से गुरु ग्रह मजबूत होता है. इसके अलावा यदि आपके विवाह में किसी तरह की बाधा आ रही है तो यह भी हल्दी की गांठ की माला पहनने से दूर हो सकती है.

इन बातों का रखें ध्यान

- माला को धारण करने से पहले शुभ मुहूर्त का विशेष ध्यान रखें.
- हल्दी की गांठ की माला पहनने से पहले उसे गंगाजल से शुद्ध कर लें.
- माला को धारण करते समय ऊँ नमो नारायणाय या गुरुदेव ब्यौं नम: मंत्र का 108 बार जाप कर करें.
- माला पहनने के बाद उसे हमेशा साफ रखें.
- माला को कभी उतारकर गंदे स्थान पर ना रखें.
- जब किसी के अंतिम संस्कार में जाएं तो माला घर उतार कर जाएं और वहां से आकर स्वयं पवित्र होएं और माला को भी गंगाजल से पवित्र करके फिर से धारण करें.

इस साल गुरु पूर्णिमा के दिन बन रहा है बेहद ही शुभ संयोग

हर साल आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि के दिन गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है. इस दिन शिष्य अपने गुरुओं का पूजन करते और उन्हें इस दिन की शुभकामनाएं देते हैं. धर्म पुराणों के अनुसार आषाढ़ माह की पूर्णिमा के दिन ही महर्षि वेद व्यास जी का जन्म हुआ था और उनके जन्मोत्सव को गुरु पूर्णिमा के तौर पर मनाया जाता है. महर्षि वेद व्यास केवल महाभारत के ही रचियता नहीं, बल्कि उन्होंने हिंदू धर्म के चारों वेदों की भी रचना की है. इसलिए उन्हें दुनिया का पहला गुरु कहा गया है और गुरु पूर्णिमा के दिन उकना विधि-विधान से पूजन किया जाता है. इस दिन स्नान व दान का विशेष महत्व माना गया है. कहते हैं कि इस दिन यदि गंगा में स्नान के बाद अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान किया जाए तो जीवन में सुख-समृद्धि आती है.

गुरु पूर्णिमा के दिन बन रहा है शुभ संयोग

बता दें कि 21 जुलाई को सुबह 7 बजकर 19 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 27 मिनट तक पूजा का शुभ मुहूर्त है. 21 जुलाई को सर्वार्थ सिद्धि योग का भी निर्माण हो रहा है जिसे बहुत ही शुभ माना जाता है. पंचांग के अनुसार यह योग सुबह 5 बजकर 27 मिनट से लेकर 22 जुलाई को सुबह 12 बजकर 14 मिनट तक रहेगा.

एक नजर

पंचतत्व में विलीन हुए बलिदानी ब्रिजेश थापा, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगे

दार्जिलिंग। जम्मू व कश्मीर के डोडा में आतंकवादियों के हमले में बलिदान हुए भारतीय सेना के कैप्टन का पार्थिव शरीर शुक्रवार को पंचतत्व में विलीन हो गया। दार्जिलिंग में तिब्बती शरणार्थी केंद्र के नीचे तिब्बती समुदाय ने शहीद कैप्टन ब्रिजेश थापा को श्रद्धांजलि दी। गुरुवार सुबह तिरंगे में लिपटे शहीद थापा के शव को रेजिमेंट के जवानों ने कंधा देकर निकाला। यहां से शव को आर्मी की गाड़ी से दार्जिलिंग के लेबॉन्ग ले जाया गया, जहां शहीद जवान के पैतृक घर में शव को रखा गया। रास्ते में दार्जिलिंग के लोगों ने पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए। उसके बाद शुक्रवार सुबह पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर शहीद के परिवार वालों के साथ सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। सोमवार शाम जम्मू-कश्मीर के डोडा में सेना और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में सेना के कैप्टन ब्रिजेश थापा समेत चार जवान शहीद हो गए थे।

गैंगस्टर अबू सलेम को नासिक रोड सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया गया

मुंबई। गैंगस्टर अबू सलेम को एटीएस और एसआरपीएफ की सुरक्षा के बीच बेहद गोपनीय तरीके से शुक्रवार को सुबह नासिक रोड सेंट्रल जेल में स्थानांतरित कर दिया गया है। प्रशासन के अनुसार अबू सलेम को नवी मुंबई स्थित तलोजा जेल में रखा गया था, लेकिन जेल प्रशासन को अबू सलेम की बैरक में मरम्मत कार्य करना था। इसलिए जेल प्रशासन ने अबू सलेम को अन्य जेल में शिफ्ट करने का निर्णय लिया था। अबू सलेम ने सुरक्षा का कारण बताते हुए जेल प्रशासन के निर्णय को बाम्बे हाई कोर्ट में चुनौती देकर याचिका दाखिल की थी लेकिन बाम्बे हाई कोर्ट ने सलेम की याचिका खारिज कर दी थी। इससे जेल प्रशासन को अबू सलेम को अन्य जेल में शिफ्ट करने का रास्ता साफ हो गया था। इसी वजह से आज जेल प्रशासन ने एटीएस और एसआरपीएफ जवानों की कड़ी सुरक्षा में अबू सलेम को नासिक सेंट्रल जेल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

बिना वीजा-पासपोर्ट के लखनऊ में रह रहा केन्याई नागरिक गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के इंदिरा नगर से कमिश्नरेट पुलिस ने केन्या के मूल नागरिक मॉरीश ओकिय को बिना वीजा व पासपोर्ट के गिरफ्तार किया गया है। मॉरीश के पास से कोई दस्तावेज नहीं मिलने पर उससे लम्बी पूछताछ कर विदेशी अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। केन्या के नैरोबी का रहने वाला मॉरीश अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए भारत आया था। उसने बी-कॉम, एम-कॉम करने के बाद आगे की पढ़ाई करनी चाही। इसी बीच वाराणसी के लंका थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी के एक मामले में उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज हुई। उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। जेल से छूटने के बाद मॉरीश काम की तलाश में लखनऊ आ गया। यहां केबल तार जोड़ने का काम करने लगा। उसने पहचान छुपाकर रखी। हाथ में हुनर होने के बावजूद पासपोर्ट और वीजा को लेकर वह गम्भीर नहीं हुआ। इसी दौरान उसकी शिकायत हुई और लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस ने उसे इंदिरा नगर के सेक्टर 17 से गिरफ्त में ले लिया।

अंतिम संस्कार से लौट रहे लोगों को ट्रक ने कुचला, पांच की मौत

मुंबई। नासिक जिले के जुन्नर तहसील में कल्याण-अहमदनगर हाईवे पर बेलहे गुनलंचवाड़ी इलाके में एक अनियंत्रित ट्रक ने शुक्रवार को सुबह अंत्येष्टि से लौट रहे कई लोगों को कुचल दिया। इस घटना में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस हादसे के बाद आक्रामक ग्रामीणों ने रास्ता रोक कर प्रदर्शन किया। पुलिस की ओर से गहन छानबीन का आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने अपना प्रदर्शन खत्म कर दिया है। पुलिस के अनुसार बेल्हे गुनलंचवाड़ी में आज सुबह एक व्यक्ति का अंतिम संस्कार करके ग्रामीण कल्याण-अहमदनगर हाईवे से लौट रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने अनियंत्रित होकर ग्रामीणों को कुचल दिया। इस घटना में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

दो दिनों में बांग्लादेश से भारत में घुसे 830 छात्र, बीएसएफ ने किया सुरक्षित

एजेंसी

कोलकाता। बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के हिंसक को जाने के बाद बड़ी संख्या में भारतीय और अन्य देशों के छात्र भारत-बांग्लादेश सीमा पर एकत्रित हो गए हैं। पिछले दो दिनों में करीब 830 छात्रों को सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारतीय सीमा के अंदर सुरक्षित किया है।

सूत्रों ने इसकी जानकारी देते हुए शुक्रवार को बताया कि नागालैंड के दावकी में 18 जुलाई तक भारत-बांग्लादेश सीमा स्थित चेकपोस्ट दावकी-तमाबिल के रास्ते भारत में प्रवेश करने वाले छात्रों की कुल संख्या 474 रही। इसमें भारतीय छात्रों की संख्या 198 थी, जबकि बांग्लादेश के 168 छात्र, नेपाल के 101 छात्र, और भूटान के सात छात्र शामिल हुए हैं।

19 जुलाई दोपहर 1:30 बजे तक की स्थिति के अनुसार, बांग्लादेश से 356 छात्रों ने भारत में प्रवेश किया है। इनमें 200 भारतीय छात्र, 143 नेपाली छात्र, 01 भूटानी छात्र और 12 बांग्लादेशी छात्र शामिल हैं। हालत यह है कि बांग्लादेश के छात्र भी अपनी सुरक्षा के लिए भाग कर भारतीय सीमा में आ रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि बीएसएफ ने इन छात्रों को अपने सुरक्षा घेरे में लेकर रखा है। संबंधित छात्रों को उनके घर तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है।

हालांकि, ये संख्या केवल छात्रों के बारे में बताई गई है। कितने पर्यटक या अन्य नागरिक बांग्लादेश से भारत आए हैं, इस बारे में फिलहाल अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है।

कृषि मंत्री ने 'भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति' कार्यक्रम को किया संबोधित

प्राकृतिक खेती का प्रयोग शुरू करें किसान : शिवराज सिंह

एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को 'भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि किसान प्राकृतिक खेती का प्रयोग शुरू करें। ऐसा फल, सब्जी व अन्ना पैदा करें जो शरीर के लिए अमृत के समान हो। बिना केमिकल फर्टिलाइजर के उपयोग के गुणत्ता के साथ उत्पादन भी बढ़ाया जा सकता है। यह धारणा बन गई है कि बिना केमिकल फर्टिलाइजर के उत्पादन नहीं बढ़ेगा लेकिन ऐसा नहीं है। पहले व दूसरे साल उत्पादन कम जरूरत होता है लेकिन तीसरे साल से उत्पादन बेहतर होने लगता है।

शिवराज सिंह ने लखनऊ के द सेंट्रम होटल में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि हमारा

संकल्प है कि उत्पादन घटने नहीं देंगे। देश के अन्न भंडार भरेंगे। ग्लोबल वार्मिंग से आज दुनिया चिंतित है। केमिकल फर्टिलाइजर के उपयोग से उत्पादन खूब बढ़ा। फल, सब्जी व अन्न खूब पैदा हो रहा है लेकिन क्या वह खाने योग्य है। सारे कीट मित्र समाप्त हो गये। केंचुआ दिखाई नहीं देता। अगर ऐसा ही चलता रहा तो यह धरती आने वाली पीढ़ियों के रहने लायक नहीं बचेगी। इसलिए समय रहते चेतने की जरूरत है। धरती बचेगी तो हम बचेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत का सब्जी फल अनाज जब दुनिया में धूम मचाएगा तब हमारा किसान खुशहाल होगा। पहले खेती से पूर्व पूजा होती थी। आज माँ का नाता नहीं रहा। केवल स्वार्थ बचा है। प्राकृतिक खेती के लिए किसानों को जागरूक करने की जरूरत है। प्राकृतिक खेती का प्रयोग शुरू करें किसान, उन्हें प्रशिक्षण देने का काम करेंगे। जो किसान प्राकृतिक खेती शुरू करेंगे, उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए 3 साल तक कुछ पैसा सीधे उनके खाते में डालेंगे। प्राकृतिक खेती से पानी कम लगेगा। खाद व केमिकल का खर्चा बचेगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत भी मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कृषिमंत्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, लद्दाख के कार्यकारी सभासद कृषि स्टेनज़िन चोस्फेल, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ देवेश चतुर्वेदी और विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, विशेषज्ञ और प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने लॉकहीड मार्टिन की 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड' प्रतिबद्धता को सराहा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को रक्षा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लॉकहीड मार्टिन की 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' के विजन को साकार करने की प्रतिबद्धता की सराहना की है।

अमेरिकी रक्षा कंपनी लॉकहीड मार्टिन के सीईओ जिम टेसलेट ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों देशों के बीच संबंधों पर चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने लॉकहीड मार्टिन के एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'लॉकहीड मार्टिन के सीईओ जिम टेसलेट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। लॉकहीड मार्टिन भारत-अमेरिका एयरोस्पेस और रक्षा औद्योगिक सहयोग में एक प्रमुख भागीदार है। हम 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' के विजन को साकार करने की दिशा में इसकी प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं।'

इससे पहले लॉकहीड मार्टिन ने इस मुलाकात के बारे में सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने कहा कि तीन दशकों से अधिक समय से एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में हम स्थानीय उद्योग की होनहार प्रतिभा और क्षमताओं को पहचानते हैं और अपने दोनों देशों के बीच रक्षा और औद्योगिक संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

खालिस्तानी आतंकवादी लखबीर सिंह संधू का प्रमुख सहयोगी एनआईए की गिरफ्त में

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच ब्यूरो (एनआईए) ने कनाडा स्थित खालिस्तानी आतंकवादी लखबीर सिंह संधू उर्फ लांडा के एक प्रमुख सहयोगी बल्ली को एक बड़े आतंकवादी नेटवर्क संबंधी मामले में गिरफ्तार किया है। एनआईए ने एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी।

एनआईए ने एक बयान में बताया कि यह मामला व्यापारियों सहित अन्य लोगों से जबरन वसूली के लिए घातक हथियारों की आपूर्ति करने से जुड़ा है। इस मामले में मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के रहने वाले बलजीत सिंह उर्फ राणा भाई उर्फ बल्ली को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। यह मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले का रहने वाला है।

बयान में कहा गया है कि बल्ली पंजाब में लांडा के आदमियों को हथियारों की आपूर्ति करने वाला प्रमुख व्यक्ति था। इन हथियारों का इस्तेमाल व्यापारियों और अन्य लोगों से जबरन वसूली करने समेत आतंकवादी गतिविधियों को बड़े पैमाने पर अंजाम देने के लिए किया जाता था।

एनआईए ने कहा कि 10 जुलाई, 2023 को स्वतः संज्ञान लेते हुए यह मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान गुरप्रीत सिंह गोपी नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, जिसकी पहचान लांडा के सहयोगी के रूप में की गई है और एक अन्य खालिस्तानी आतंकवादी सतनाम सिंह सत्ता को भी गिरफ्तार किया गया है।

राज्यपाल को मिली छूट की समीक्षा करने पर सुप्रीम कोर्ट सहमत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत राज्यपाल को उनके कार्यकाल के दौरान आपराधिक कार्यवाही से मिली छूट की समीक्षा करने पर सहमत हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए अटार्नी जनरल को इस मामले में सहयोग करने को कहा है। महिला ने इस केस में पश्चिम बंगाल पुलिस को जांच का निर्देश देने की मांग के साथ साथ सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि वो अनुच्छेद 361 के तहत राज्यपाल को आपराधिक कार्यवाही से छूट को लेकर दिशानिर्देश तय करें।

टीएमसी और कांग्रेस करती हैं तुष्टीकरण की राजनीति : भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को तालिबानी मानसिकता वाली पार्टी करार दिया है। इसके साथ ही संदेशखाली में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर कांग्रेस की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं।

शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए पार्टी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि टीएमसी का मतलब 'तालिबानी मानसिकता और संस्कृति' है। पश्चिम बंगाल पुलिस और सरकार ने संदेशखाली मामले में मुख्य आरोपित शेख शाहजहां को बचाने के लिए हर संभव

कदम उठाए। कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी पूछा था कि पश्चिम बंगाल सरकार उन्हें बचाने पर क्यों तुली हुई है। कोर्ट की इस टिप्पणी से साफ पता चलता है कि टीएमसी 'तालिबानी मुझे चाहिए' के पक्ष में है और तुष्टीकरण की राजनीति में विश्वास करती है।

शहजाद पूनावाला ने पश्चिम बंगाल में महिला उत्पीड़न की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि हावड़ा के डोमजूर में परिवार की महिला को बेरहमी से पीटा गया, कैंची से बाल काटे गए। इस घिनौने कृत्य को अंजाम देने वाले आरोपित ईशा लश्कर, अबुल हुसैन लश्कर, सईम लश्कर, मकबुल अली, इसराइल लश्कर, अरबाज लश्कर और महेबुल्लाह मिद्दे टीएमसी पार्टी से करीबी तौर पर जुड़े हुए हैं। कूच बिहार से चोपड़ा तक अरियादाहा से डोमजूर तक महिलाओं की पीड़ा जारी है। इसके साथ तेलंगाना में एक गरीब महिला को बिजली के खंभे से बांधकर बुरी तरह पीटा गया लेकिन कांग्रेस इन सभी घटनाओं पर चुप है।

प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेडकर पर यूपीएससी ने दर्ज कराया केस

एजेंसी

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने विवादों में घिरी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आयोग ने पूजा खेडकर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है और सिविल सेवा परीक्षा-2022 से उनकी उम्मीदवारी रद्द करने और भविष्य की परीक्षाओं से उन्हें रोकने के लिए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है।

यूपीएससी ने शुक्रवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि सिविल सेवा परीक्षा-2022 की अनंतिम रूप से अनुशंसित उम्मीदवार पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर के दुर्व्यवहार की विस्तृत और गहन जांच की गई है। इस जांच से पता चला है कि उसने अपना नाम, अपने पिता और माता का नाम, अपनी तस्वीर/हस्ताक्षर, अपनी ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और पता बदलकर तथा अपनी पहचान बदलकर परीक्षा नियमों के तहत स्वीकार्य सीमा से अधिक प्रयास किए। इसलिए यूपीएससी ने पुलिस प्राधिकारियों के पास प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करके आपराधिक अभियोजन सहित उनके खिलाफ कई कार्रवाई शुरू की है और सिविल सेवा परीक्षा-2022 के नियमों के अनुसार सिविल सेवा परीक्षा-2022 के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द करने, भविष्य की परीक्षाओं, चयनों से रोकने के लिए कारण बताओ नोटिस (एससीएन) जारी किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात के लिए नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 जुलाई को होने वाले मन की बात कार्यक्रम के लिए नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किए हैं। मोदी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की है कि विशेष रूप से कई युवा समाज को बदलने के उद्देश्य से किए गए सामूहिक प्रयासों को उजागर कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अभी तक अपने सुझाव माईगॉव या नमो ऐप पर साझा नहीं करने वाले लोगों से भी ऐसा करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक एक्स पोस्ट में कहा, 'मुझे इस महीने के मन की बात के लिए बहुत से इनपुट मिल रहे हैं, जो रविवार 28 तारीख को होगा। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि कई युवा खास तौर पर हमारे समाज को बदलने के उद्देश्य से किए जा रहे सामूहिक प्रयासों को उजागर कर रहे हैं। आप माईगॉव, नमो एप पर इनपुट साझा कर सकते हैं या 1800-11-7800 पर अपना संदेश रिकॉर्ड कर सकते हैं।'

प्रशिक्षण | सऊदी अरब के 76 नौसैनिकों को भारत ने दिया तीन सप्ताह का प्रशिक्षण

प्रशिक्षुओं ने अपने समुद्री अनुभव साझा किए

एजेंसी

नई दिल्ली। रॉयल सऊदी नौसेना बल (आरएसएनएफ) के किंग फहद नौसेना अकादमी के 76 प्रशिक्षुओं का भारतीय नौसेना के साथ प्रशिक्षण पूरा हो गया है। कोच्चि स्थित प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन (1टीएस) में तीन सप्ताह के प्रशिक्षण में बंदरगाह के साथ-साथ समुद्री चरण भी शामिल था। प्रशिक्षुओं को समुद्र में जीवन की बारीकियों के बारे में जानकारी दी गई और आईएनएस तरंगिनी पर नौकायन प्रशिक्षण से भी परिचित कराया गया।

प्रशिक्षण के दौरान बंदरगाह चरण में मुख्य रूप से नौवहन, अग्निशमन और क्षति नियंत्रण पहलुओं पर सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया गया। समुद्री चरण के दौरान प्रशिक्षुओं को जहाज संचालन, संचार प्रक्रियाओं और समुद्र में

- प्रशिक्षुओं को समुद्र में जीवन की बारीकियों के बारे में जानकारी दी गई
- आईएनएस तरंगिनी पर नौकायन प्रशिक्षण से भी परिचित कराया गया

जीवन की बारीकियों के बारे में अवगत कराया गया। इसके अलावा प्रशिक्षुओं को वाटरमैनशिप प्रशिक्षण केंद्र और आईएनएस तरंगिनी पर नौकायन प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी दी गई। भारतीय नौसेना के साथ आरएसएनएफ के प्रशिक्षुओं ने दोनों समुद्री देशों के बीच मित्रता बढ़ाने में योगदान दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम ने ऐतिहासिक और स्थानीय दर्शनीय स्थलों के संगठित दौरों तथा भारतीय प्रशिक्षुओं के साथ मैत्रीपूर्ण खेल कार्यक्रमों के माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सहभागिता को भी सुगम बनाया।

प्रशिक्षण के समापन पर आयोजित कार्यक्रम में दक्षिणी नौसेना कमान के चीफ ऑफ स्टाफ रियर एडमिरल उपल कुंडू ने प्रशिक्षुओं और आरएसएनएफ के निर्देशन स्टाफ के साथ बातचीत की। बातचीत के दौरान प्रशिक्षुओं ने अपने समुद्री अनुभव साझा किए और उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण की सराहना की। आईएनएस तीर पर समापन समारोह के दौरान प्रशिक्षुओं को पाठ्यक्रम पूरा होने के प्रमाण पत्र और पूर्व छात्र बैज प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं की यात्रा पर प्रकाश डालने वाले एक पाठ्यक्रम संस्मरण का भी अनावरण किया गया।

भाजपा सहयोगी दलों के साथ मिलकर महाराष्ट्र में लड़ेगी विधानसभा चुनाव

एजेंसी

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी भूपेंद्र यादव और सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव ने ऐलान किया है कि अगला विधानसभा चुनाव सहयोगी दलों के साथ ही मिलकर लड़ा जायेगा। दोनों प्रभारियों ने प्रदेश भाजपा को सहयोगी दलों के साथ तालमेल रखने और लोकसभा में हुई गलतियों में सुधार करने के लिए भी निर्देश दिया है।

भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी की कोर कमेटी की बैठक महाराष्ट्र प्रभारी और सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में गुरुवार को देर रात आयोजित की गई। बैठक में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के रोडमैप और सीटों के बंटवारे और गठबंधन पर भी चर्चा हुई। सूत्रों ने जानकारी दी है कि अजित पवार और एकनाथ शिंदे के ग्रुप को लेकर कुछ बीजेपी नेताओं की ओर से शिकायत की गई थी। बैठक में कुछ बीजेपी नेताओं ने शिकायत की है कि अजित पवार और एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना ने लोकसभा में मदद नहीं की। अजित पवार गुट के नेताओं ने कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में अपेक्षित मदद नहीं की।

कुछ नेताओं ने शिकायत की है कि उनकी पार्टी के विधायक चुनाव में प्रमुख नेता महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवारों की मदद कर रहे हैं। अजित पवार ग्रुप और शिंदे ग्रुप की शिकायत करने के लिए डिंडोरी, सतारा, सांगली, सोलापुर और पुणे सीटों का उदाहरण दिया है। बैठक में नेताओं ने शिकायत की कि जालना, परभणी में सीएम शिंदे की शिवसेना से भी कोई मदद नहीं मिली। लोकसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे में गड़बड़ी होने, शिंदे की शिवसेना को 15 सीटें दिए जाने पर भी सवाल खड़े किए गए।

इसके बाद पार्टी के केंद्रीय नेताओं ने राज्य के भाजपा नेताओं से कहा है कि उन्हें विधानसभा चुनाव का सामना एनडीए गठबंधन के तौर पर करें और एनडीए के तौर पर ही ताकत दिखाएं, साथ ही भाजपा की ताकत भी उस वक्त मजबूती से दिखे, इसका भी निर्देश दिया गया है।

पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ देकर कोच, साथियों के भरोसे पर खरा उतरने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं: सुखजीत सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। करियर को खतरे में डालने वाली चोट से उबरने से लेकर पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम में जगह बनाने तक, सुखजीत सिंह का सफर किसी प्रेरणा से कम नहीं रहा है। 2022 में राष्ट्रीय टीम में पदार्पण के बाद से, सुखजीत ने देश के लिए 70 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 20 प्रभावशाली गोल किए हैं। हालांकि, 28 वर्षीय फॉरवर्ड का रास्ता आसान नहीं रहा है क्योंकि इस प्रतिष्ठित मंच तक पहुंचने के लिए उन्हें कई चुनौतियों और बाधाओं का सामना करना पड़ा है। अब, वह दुनिया के सबसे बड़े मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए अपने पहले ओलंपिक में खेलने की तैयारी कर रहे हैं। आगामी ओलंपिक के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए सुखजीत ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, ओलंपिक में खेलना हमेशा से मेरे और मेरे परिवार के लिए एक सपना रहा है। यह किसी भी एथलीट के करियर का शिखर होता है और मुझे यह अवसर पाकर गर्व महसूस हो रहा है। मेरा मानना है कि मेरी कड़ी मेहनत और समर्पण ने मुझे सफलता दिलाई है। अब मैं टीम में अपनी भूमिका को बेहतरीन तरीके से निभाने और पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ देकर अपने कोच और साथियों के भरोसे पर खरा उतरने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं।

सुखजीत ने देश के लिए 70 मैच खेले हैं

पिछले दो वर्षों में सुखजीत ने अपनी उल्लेखनीय प्रतिभा और निरंतरता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने भुवनेश्वर में 2023 एफआईएच हॉकी विश्व कप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें उन्होंने छह खेलों में तीन गोल किए। वह चेन्नई में पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 और पिछले साल हांग्जो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीमों का भी हिस्सा थे। हाल ही में, सुखजीत ने 2023-24 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसमें उन्होंने पांच गोल किए।

अपनी यात्रा पर सुखजीत ने कहा, पिछले दो साल मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद रहे हैं। हर मैच एक सीखने का अनुभव रहा है, जिसने मुझे बेहतर बनाने और टीम की सफलता में और अधिक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। मेरा ध्यान अब पूरी तरह से पेरिस ओलंपिक पर है, और मैं अपनी टीम को सर्वोच्च सम्मान हासिल करने में मदद करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। जालंधर में जन्मे सुखजीत ने छह साल की उम्र में हॉकी खेलना शुरू किया, उन्हें अपने पिता अजीत सिंह से प्रेरणा मिली, जो पंजाब पुलिस के पूर्व हॉकी खिलाड़ी थे।

तीन खिलाड़ी का चयन अंडर 15 राज्य टीम में

एजेंसी

रायगढ़। जिला क्रिकेट संघ द्वारा किया जा रहा प्रयास रंग ला रहा है। बीसीसीआई द्वारा निर्देशित एवं सीएससीएस द्वारा आदेशित क्रिकेट सत्र में अंडर 15 की राज्य की संभावित टीम में जिले की तीन महिला खिलाडियों का चयन हुआ है। जिला क्रिकेट संघ के सचिव रामचन्द्र शर्मा ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि पिछले दिनों जिले की टीम राज्य ट्रायल के लिए राजधानी भेजी गई थी। जहां शानदार प्रदर्शन के आधार पर जिले की महिला खिलाड़ी आकृति शर्मा, मनीषा सिदार एवं रोशनी ठाकुर का चयन

किया गया है। जो जल्द ही सीएससीएस द्वारा लगाये जाने वाले फिटनेस कैंप में शामिल होने के लिए रवाना होंगे। खिलाड़ियों के चयन पर अध्यक्ष संतोष पाण्डेय सचिव रामचन्द्र शर्मा, किशोर पटनायक, शानू भयानी, हिमांशु चावड़ा आदि ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए आने वाले मैचों हेतु शुभकामनाएं दी है।

एक नजर

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने लिली के युवा डिफेंडर लेनी योरो के साथ किया करार

मैनचेस्टर। प्रीमियर लीग क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड ने लीग 1 क्लब लिली से युवा डिफेंडर लेनी योरो के साथ अनुबंध की घोषणा की है, जो 2029 तक चलेगा। क्लब ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैनचेस्टर यूनाइटेड को यह पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है कि लेनी योरो क्लब में शामिल हो गए हैं। फ्रांसीसी डिफेंडर ने जून 2029 तक के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें एक और वर्ष के लिए विस्तार का विकल्प है। 18 साल की उम्र में, योरो ने लिली की पहली टीम के लिए 60 मैच खेले हैं। पिछले सीजन में, उन्हें लीग 1 टीम ऑफ द सीजन में भी शामिल किया गया था। पिछले सीजन में लीग में चौथे स्थान पर रहने में उन्होंने लिली की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ करार करने के बाद योरो ने क्लब द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, अपने करियर की शुरूआत में ही मैनचेस्टर यूनाइटेड जैसी प्रतिष्ठा और महत्वाकांक्षा वाले क्लब के साथ साइन करना एक अविश्वसनीय सम्मान है। क्लब के साथ मेरी पहली बातचीत के बाद से ही उन्होंने इस रोमांचक प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में मैनचेस्टर में मेरे विकास के लिए एक स्पष्ट योजना बनाई और मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत परवाह दिखाई।

ईस्ट बंगाल ने जैक्सन सिंह के साथ किया करार

कोलकाता। ईस्ट बंगाल ने शुक्रवार को केरला ब्लास्टर्स से भारतीय मिडफील्डर जैक्सन सिंह थोउनाओजम के साथ चार साल का करार किया है। जैक्सन की सेवाओं के लिए ईस्ट बंगाल द्वारा भुगतान की गई ट्रांसफर फीस का खुलासा नहीं किया गया। मणिपुर से आने वाले जैक्सन पिछले तीन वर्षों से भारतीय राष्ट्रीय टीम के मिडफील्ड में मुख्य खिलाड़ी रहे हैं। 23 वर्षीय डिफेंसिव मिडफील्डर ने अब तक राष्ट्रीय टीम के लिए 22 मैच खेले हैं और ब्लू टाइगर्स की विजयी सैफ चैंपियनशिप (2021, 2023), ट्राई-नेशन सीरीज (2023) और इंटरकॉन्टिनेंटल कप (2023) टीमों का अहम हिस्सा रहे हैं। वह फीफा विश्व कप में भारत के पहले और एकमात्र स्कोरर थे (2017 अंडर-17 फीफा विश्व कप में कोलंबिया के खिलाफ)। 78 इंडियन सुपर लीग मैचों में केरला ब्लास्टर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले जैक्सन ने दो गोल, दो असिस्ट, 82% पासिंग सटीकता, 274 सफल द्वंद्व, 84 सफल एरियल द्वंद्व, 405 रिकवरी, 102 इंटरसेप्शन और 62 क्लीयरेंस दर्ज किए हैं। जैक्सन ने क्लब के साथ अनुबंध करने के बाद कहा, मैं इस ऐतिहासिक क्लब में शामिल होकर सम्मानित और रोमांचित महसूस कर रहा हूं।

पेरिस 2024 ओलंपिक खेल गांव आधिकारिक तौर पर खिलाड़ियों के स्वागत के लिए खोला गया

पेरिस। पेरिस ओलंपिक गांव ने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर अपने दरवाजे खोल दिए, जिसमें दुनिया भर के उन एथलीटों का स्वागत किया गया जो अपनी ओलंपिक यात्रा शुरू करने के लिए तैयार हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने उद्घाटन के दिन गांव का दौरा किया। 206 राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों और शरणार्थी ओलंपिक टीम के लगभग 10,500 एथलीट आगामी ओलंपिक खेलों में भाग लेंगे, जो 26 जुलाई से शुरू होंगे। अधिकांश एथलीटों को पेरिस ओलंपिक गांव में रखा जाएगा, जो सीन नदी के किनारे स्थित 54 हेक्टेयर का स्थल है। इसके अतिरिक्त, एथलीट चेटौरौक्स (शूटिंग), लिली (बास्केटबॉल प्रारंभिक और हैंडबॉल), मार्सिले (नौकायन) और ताहिती (सर्फिंग) में उपग्रह गांवों में रहेंगे। पेरिस 2024 ओलंपिक और पैरालिंपिक आयोजन समिति के अध्यक्ष टोनी एस्टांगुएट और पेरिस 2024 समन्वय आयोग के अध्यक्ष पियरे-ओलिवियर बेकर्स-वियुजेंट के साथ, बाक ने एथलीटों का गांव में आने पर स्वागत किया।

आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन में बजट पर होगी चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। हाल ही में अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए ट्वेंटी-20 विश्व कप के लिए बजट से अधिक खर्च के आरोपों के बीच (विशेष रूप से न्यूयॉर्क में एक मॉड्यूलर स्टेडियम की तैयारी के संबंध में, जिसके कारण कथित तौर पर आईसीसी के दो शीर्ष अधिकारियों को इस्तीफा देना पड़ा) अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए बजट को मंजूरी देने की तैयारी कर रहा है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, आज से कोलंबो में शुरू होने वाले आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन में 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बजट के कागजात आईसीसी बोर्ड के समक्ष मंजूरी के लिए पेश किए जाएंगे। आईसीसी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) अंकुर खन्ना ने जून में लाहौर में तीन दिन बिताए और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सीएफओ जावेद मुतुर्जा के साथ बजट पर काम किया, ताकि आठ टीमों की चैंपियंस ट्रॉफी के लिए वित्तीय परिव्यय को अंतिम रूप दिया जा सके।

बोर्ड द्वारा वित्तीय योजना को मंजूरी दिए जाने से पहले, इसे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह की अध्यक्षता वाली वित्त और वाणिज्यिक मामलों की समिति (एफ एंड सीए) से गुजरना होगा।

बोर्ड की बैठक से एक दिन पहले 21 जुलाई को एफ एंड सीए की बैठक होनी है, और पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के उपस्थित रहने की उम्मीद है। बजट दस्तावेजों में 19 फरवरी से 9 मार्च तक होने वाली चैंपियनशिप के लिए लाहौर, कराची और रावलपिंडी का उल्लेख किया गया है। हालांकि, भारत की भागीदारी को लेकर एक सवाल बना हुआ है जो भारत सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगा। हालांकि, जम्मू और कश्मीर में हाल ही में आतंकवाद से संबंधित घटनाओं में वृद्धि के साथ, भारत सरकार द्वारा मंजूरी के बारे में हमेशा अनिश्चितता बनी रहती है। हाल के इतिहास से पता चलता है कि सरकार पड़ोसी देश का दौरा करने वाली भारतीय टीम के खिलाफ रही है।

शरणार्थी ओलंपिक टीम पेरिस 2024 की तैयारी के लिए फ्रांस पहुंची

एजेंसी

पेरिस। शरणार्थी ओलंपिक टीम 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों से पहले फ्रांस पहुंच गई है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। इस वर्ष की शरणार्थी ओलंपिक टीम में 15 देशों और क्षेत्रों के कुल 37 एथलीट शामिल हैं। वे ओलंपिक में 12 स्पर्धाओं में भाग लेंगे, जो पहली बार एक टीम के रूप में एक साथ आने का प्रतीक है। बेयूक्स में, शरणार्थी एथलीट शीर्ष-स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाओं का उपयोग करके ओलंपिक के लिए तैयारी करना जारी रखेंगे।

टीम के सामंजस्य को बढ़ावा देने और उन्हें एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानने में मदद करने के लिए, वे टीम गतिविधियों की एक श्रृंखला में भी भाग लेंगे।

बास्टाड ओपन के क्वार्टरफाइनल में राफेल नडाल

एजेंसी

बास्टाड। चौदह बार के फ्रैंच ओपन विजेता राफेल नडाल ने गुरुवार को बास्टाड ओपन में कैमरून नोरी पर 6-4, 6-4 से जीत के साथ अपनी ओलंपिक तैयारियां जारी रखीं। 38 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने स्वीडिश क्ले कोर्ट पर जीत की राह पर वापसी जारी रखते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, उन्होंने वर्ष की अपनी नौवीं टूर जीत दर्ज की। यह अप्रैल में मैड्रिड ओपन के अंतिम-16 में पहुंचने के बाद उनकी पहली बार लगातार दो जीत थी।

मैच के बाद नडाल ने कोर्ट पर अपने साक्षात्कार के दौरान कहा, अब बहुत अच्छा लग रहा है, मैं रोलांड गैरोस के बाद से टूर पर नहीं खेला हूं और मुझे कैमरून जैसे महान खिलाड़ी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने का मौका मिला। मुझे लगता है कि मैंने कुछ पलों के लिए अच्छा टेनिस खेला। नडाल का अगला मुकाबला क्वार्टरफाइनल में मारियानो नवोन से होगा, इससे पहले चौथे वरीय अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने भारत के सुमित नागल को सीधे सेटों में हराया था।

- नडाल का अगला मुकाबला मारियानो नवोन से होगा
- अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने भारत के सुमित नागल को हराया था

घरेलू मैचों में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों पर गंभीर की देखरेख में रखी जाएगी नजर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को श्रीलंका में छह मैचों की सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए टीमों की घोषणा की, हालांकि इस दौरान घरेलू प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर भी बीसीसीआई ने अपना रूख स्पष्ट किया। गुरूवार को बीसीसीआई की विज्ञप्ति में कहा गया है, बीसीसीआई आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र, 2024-25 में खिलाड़ियों की उपलब्धता और भागीदारी की निगरानी करना जारी रखेगा। बीसीसीआई का यह संदेश यह सुझाव देता है कि अगले सत्र से, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी घरेलू मैचों में प्रतिस्पर्धा करते हुए दिखाई दे सकते हैं।

हालांकि बीसीसीआई द्वारा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट को गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित करना कोई नई बात नहीं ह -जैसा कि पिछले सीजन में श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को रणजी मैच न खेलने के लिए दी गई सजा में देखा गया था, लेकिन गौतम गंभीर को मुख्य कोच बनाए जाने के बाद से यह दृष्टिकोण और भी बढ़ गया है।

फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर सके मेस्सी

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स । अपने कैरियर में पहली बार फुलटाइम से पहले कोपा अमेरिका फाइनल से चोट के कारण बाहर हुए लियोनेल मेस्सी अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सके और अपने आखिरी किले में से एक फतेह करने के बावजूद वह फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाये।

मेस्सी को पैर की चोट के कारण कोलंबिया के खिलाफ फाइनल मैच से 64वें मिनट में बाहर जाना पड़ा। अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार कोपा अमेरिका खिताब जीता। मेस्सी के फिटनेस टेस्ट में नाकाम रहने के कारण 2026 विश्व कप में उनकी भागीदारी को लेकर भी अनिश्चितता की स्थिति है। सैतीस वर्ष के मेस्सी चोट के कारण पिछले साल इंटर मियामी और अर्जेंटीना के काफी मैचों से बाहर रहे थे।

छठा विश्व कप खेलने को लेकर संशय

कोपा अमेरिका में भी कई ग्रुप मैचों से उन्हें बाहर रहना पड़ा। इक्वाडोर के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में वह पेनल्टी चूके। उन्होने एकमात्र गोल कनाडा के खिलाफ सेमीफाइनल में किया। मेस्सी ने मैच के बाद मीडिया से बात नहीं की और ना ही उनकी टीम ने चोट की गंभीरता के बारे में बताया।

वाणिज्य

जेम के ई-लर्निंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम अब 12 आधिकारिक भाषाओं में उपलब्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकारी ई-मार्केटप्लेस जेम के ई-लर्निंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम अब 12 आधिकारिक भाषाओं में उपलब्ध हैं। ई-मार्केटप्लेस जेम का उद्देश्य हितधारकों के बीच सार्वजनिक खरीद प्रक्रियाओं की समझ को सुविधाजनक बनाना है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) ने 6 अतिरिक्त आधिकारिक भाषाओं में अपना लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) लॉन्च किया है, जो अब 12 भाषाओं में उपलब्ध है। मंत्रालय के मुताबिक यह विस्तार इंटरैक्टिव पाठ्यक्रमों और प्रगति-ट्रैकिंग डैशबोर्ड के साथ विविध उपयोगकर्ताओं के लिए पहुंच और उपयोगिता को बढ़ाता है। मंत्रालय के मुताबिक इस वर्ष की शुरूआत में लॉन्च नया गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम एक अग्रणी सरकारी-संचालित समाधान है। ये ई-लर्निंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 12 आधिकारिक भाषाओं असमिया, बंगाली, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल और तेलुगु में उपलब्ध हैं। ये विविध उपयोगकर्ता की जरूरतों को पूरा करते हैं। इसके साथ ही उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस समर्पित पुस्तकालयों और प्रगति ट्रैकिंग डैशबोर्ड के साथ बेहतर उपयोगकर्ता का अनुभव प्रदान करता है। जेम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि राज्य/स्थानीय सरकारी खरीदारों के साथ-साथ पूरे भारत में अंतिम-मील विक्रेताओं के बीच जेम पोर्टल को अपनाने में तेजी आई है।

पेटीएम का घाटा अप्रैल-जून तिमाही में बढ़कर 840 करोड़ रुपये पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफॉर्म पेटीएम ब्रांड की मूल कंपनी वन कम्युनिकेशंस ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का घाटा बढ़कर 840 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 358.4 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। पेटीएम ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में उसका घाटा बढ़कर 840 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 358.4 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी ने कहा कि उसकी एकीकृत आमदनी 33.48 फीसदी घटकर 1,639.1 करोड़ रुपये रह गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2,464.2 करोड़ रुपये थी।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की ओर से पेटीएम पेमेंट बैंक पर रोक लगाने का असर उसके बिजनेस पर दिखा है। अप्रैल-जून तिमाही नतीजों की घोषणा के बाद पेटीएम के शेयरों में करीब एक फीसदी की तेजी देखने मिली है। यह 450 रुपये पर कारोबार कर रहा है। हालांकि, बीते एक साल में कंपनी के शेयरों में करीब 45 फीसदी की गिरावट आई है।

मजबूती का रिकॉर्ड बनाने के बाद फिसला शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

संवाददाता

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। शुक्रवार को कारोबार की शुरूआत ऑल टाइम हाई का नया रिकार्ड बनाने के साथ हुई थी। लेकिन बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से शेयर बाजार के दोनों सूचकांकों में गिरावट आ गई। हालांकि खरीदार लगातार लिवाली का जोर बनाने की कोशिश करते रहे। इसके बावजूद बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि बाजार की स्थिति में सुधार नहीं हो सका। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती पहले घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंफोसिस, ब्रिटानिया, आईटीसी, एलटी माइंडट्री और एशियन पेंट्स के शेयर 3.10 प्रतिशत से लेकर 0.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

दूसरी ओर बीपीसीएल, टाटा स्टील, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी और आयशर मोटर्स के शेयर 2.95 प्रतिशत से लेकर 2.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,226 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 400 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,826 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 23 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

दर्दनाक हादसा : तेज रफ्तार कार ने ट्रक को मारी टक्कर, 2 बच्चों समेत एक ही परिवार के 6 सदस्यों की मौत

बीकानेर/एजेंसी। बीकानेर में गुरुवार देर रात एक बड़ा सड×क हादसा हो गया। इस हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। भारतमाला रोड महाजन के जैतपुर टोल के पास एक तेज रफ्तार कार ने आगे चल रहे ट्रक को टक्कर मार दी। इस हादसे मरने वाले सभी एक ही परिवार के लोग थे। हादसे के बाद कार के पूरी तरह से परखच्चे उड़ गए। जानकारी के अनुसार हरियाणा नम्बर की कार में हनुमानगढ़ के डबवाली के रहने वाले थे। मरने वाले सभी लोग कार में सवार थे। हादसा इतना भयावह था कि कार आगे से पुरी चकनाचूर हो गयी थी। वहीं हादसे के बाद घंटो तक गाड़ी में मौजूद लोग फंसे रहे। काफी मशक्कत के बाद उन्हें निकाला गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हादसे के वक्त कार से दो यात्री उछलकर सड़क पर गिर गए और मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस हादसे में पूरा परिवार खत्म हो गया। हादसे में मृतकों की पहचान आरती, डूबू, भूमिका, नीरज कुमार, शिव कुमार के रूप में हुई है। हादसे का कारण तेज रफ्तार बताया जा रहा है। जानकारी मिलने के बाद लूणकरणसर सीओ टीम सहित घटनास्थल पर पहुंचे और एंबुलेंस को बुलाया। हादसा इतना भयानक था कि अंदर फंसे लोगों को निकालने के लिए क्रेन बुलानी पड़ी।

अमित शाह आज रांची में झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के अभियान का करेंगे शंखनाद

रांची/एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह शनिवार को रांची आ रहे हैं। वह झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के अभियान का शंखनाद करेंगे।पार्टी ने रांची के प्रभात तारा मैदान में प्रदेश की विस्तारित कार्यसमिति की सभा बुलाई है, जिसे वह मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करेंगे। इस सभा में प्रदेश, जिला, मंडल स्तर की कार्यसमिति और पार्टी के विभिन्न मोर्चों-प्रकोष्ठों के 26 हजार से ज्यादा पदाधिकारी और सदस्य शामिल होंगे। अमित शाह शनिवार को लगभग छह घंटे तक रांची में रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, वह अपराह्न डेढ़ बजे रांची आएंगे और इसके बाद प्रभात तारा मैदान पहुंचकर प्रदेश भाजपा की विस्तारित कार्यसमिति की सभा में नेताओं-कार्यकर्ताओं में चुनावी समर को लेकर उत्साह भरेंगे। बाद में शाह प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचकर पार्टी के प्रमुख नेताओं और प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ चुनावी रणनीति पर विमर्श करेंगे।

भाजपा ने लोकसभा चुनाव परिणाम के तुरंत बाद राज्य में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने की मुहिम शुरू कर दी है। 18 जून को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने झारखंड के प्रमुख भाजपा नेताओं के साथ दिल्ली में बैठक की थी, जिसमें तय हुआ था कि अगले पांच महीने के चुनावी अभियान के लिए ब्लूप्रिंट तैयार किया जाए। इसके लिए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को राज्य में चुनाव प्रभारी और असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा को सह प्रभारी नियुक्त किया गया। इन्हें टास्क सौंपा गया है कि लोकसभा चुनाव में जहां भी कमी रही गई, वहां डैमेज कंट्रोल की प्रभावी योजना बनाई जाए। एक-एक बूथ पर मिले वोट को ध्यान में रखकर काम हो। पिछले तीन हफ्तों के दौरान शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्वा सरमा ने तीन बार झारखंड के अलग-अलग इलाकों का दौरा कर कार्यकर्ताओं से संवाद किया। पार्टी की ओर से पिछले 5 जुलाई से लेकर 16 जुलाई तक सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में विजय संकल्प सभाओं का आयोजन किया गया और बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर को झटका, यूपीएससी ने दर्ज करवाई? एफआईआर , कारण बताओ नोटिस भी जारी

नई दिल्ली/एजेंसी। ट्रेनी आईएएस पूजा दिलीप खेडकर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) ने पूजा के खिलाफ कथित जालसाजी का मामला दर्ज करते हुए?उनकी उम्मीदवारी रद्द करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

यूपीएससी ने उनसे पूछा है कि क्यों न उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाए। इसके अलावा पूजा को आगे होने वाली परीक्षाओं में हिस्सा लेने पर भी रोक लगाई जा सकती है। आयोग ने एक बयान में कहा कि उसने सिविल सेवा परीक्षा-2022 की अनंतिम रूप से अनुशंसित उम्मीदवार पूजा दिलीप खेडकर के दुर्व्यवहार की विस्तृत और गहन जांच की है। उल्लेखनीय है कि पूजा तब विवादों में घिरी थीं जब पुणे में सहायक कलेक्टर के पद पर तैनाती मिलते ही उन्हें कथित रूप से खास मांगें कर डालीं।?आरोप है कि पूजा ने तैनाती लेने से पहले ही कार, आवास, कर्मचारी और अलग कमरे के लिए बार-बार दबाव बनाया, जबकि प्रोबेशन पर यह सुविधाएं नहीं मिलती। वहीं, हाल ही में उनकी मां को भी किसानों को धमकाने के मामले में गिरफ्तार किया गया है।?पूजा के दिव्यांगता सर्टिफिकेट पर सवाल उठ चुके हैं।

अंगदान को लेकर सामाजिक चेतना जाग्रत करने में सेवाभावी संगठनों की भूमिका अहम : ऊर्जा मंत्री

चमकता राजस्थान

जयपुर, 19 जुलाई। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि अंगदान बड़े पुण्य का काम है। इसके माध्यम से जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दिया जा सकता है। राज्य सरकार प्रदेश में अंगदान को बढ़ावा दे रही है।

नागर शुक्रवार को अल्बर्ट हॉल पर राजस्थान रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से आयोजित अंगदान-महादान रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस संवेदनशील विषय पर जनचेतना जाग्रत करने के उद्देश्य से रेडक्रॉस की पहल की सराहना की और कहा कि अंगदान को लेकर समाज में भ्रांतियों को दूर करने की आवश्यकता है। इस दिशा में रेडक्रॉस सहित अन्य सेवाभावी संगठन महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, राजस्थान के जनरल सेक्रेटी जगदीश जिंदल, उपाध्यक्ष जगदीश खत्री, जयपुर ब्रांच की डॉ. नीलम जैन, अतिरिक्त निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. रश्मि गुप्ता, एसएमएस अस्पताल के रिहैबिलिटेशन सेंटर के निदेशक डॉ. मृणाल जोशी आदि ने ऊर्जा मंत्री का स्वागत किया। सांगानेरी गेट से रवाना होकर बड़ी संख्या में युवाओं तथा विद्यार्थियों की यह रैली अल्बर्ट हॉल पहुंची। जहां प्रतिभागियों ने अंगदान की शपथ ली।

इन्टेलीजेंस ट्रेनिंग अकादमी में एविएशन सिक्युरिटी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, जयपुर के लोगो का किया गया अनावरण

डीजी इंटेलिजेंस अग्रवाल ने आईबी में कांस्टेबल के प्रथम बैच से भी किया संवाद

चमकता राजस्थान

जयपुर 18 जुलाई। महानिदेशक पुलिस, इन्टेलीजेंस, राजस्थान संजय अग्रवाल द्वारा इन्टेलीजेंस ट्रेनिंग अकादमी, जयपुर में राज्य विशेष शाखा के प्रथम बार चयनित कांस्टेबल के बैच से संवाद किया। श्री अग्रवाल ने इस मौके पर एविएशन सिक्यूरिटी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, जयपुर के 'लोगो' का भीअनावरण किया।

डीजी इन्टेलीजेंस अग्रवाल ने आईबी के प्रथम बैच के कांस्टेबल प्रशिक्षुओं से संवाद कर सभी प्रशिक्षणार्थियों को वर्तमान में तकनीकी विकास के परिदृश्य में आसूचना एवं सुरक्षा की दृष्टि से मन लगाकर प्रशिक्षण प्राप्त करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अन्त में अकादमी निदेशक दीपक भार्गव ने प्रशिक्षण के दौरान भविष्य की चुनौतियों के अनुसार किये जा रहे नवाचारों के अन्तर्गत सोशल मीडिया निगरानी, साईबर सुरक्षा एवं ड्रोन प्रशिक्षण के संबंध में अवगत कराया तथा संस्था में चल रहे नवीनीकरण कार्यों की जानकारी देकर सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

समारोह के दौरान अग्रवाल ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती शालीनी सक्सेना को डीजी नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) द्वारा प्रदत्त डीजी डिस्क प्रदान की। एएसटीआई के इन्स्ट्रेक्टर हीरालाल शर्मा, श्रीमती सुमिता शर्मा, राजकुमार शर्मा, विकास टिबरेवाल को बीसीएएस इन्स्ट्रेक्टर चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया। साथ ही उप निरीक्षक पुलिस रामचन्द्र कुमावत को स्क्रीनर चिन्ह एवं प्रमाण पत्र तथा एएसटीआई की स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने पर रमेश शर्मा को प्रमाण पत्र मय चिन्ह प्रदान किया गया।

इस अवसर पर महानिरीक्षक पुलिस सुरक्षा राजेश मीणा, उप महानिरीक्षक पुलिस एसएसबी विकास शर्मा, उप महानिरीक्षक पुलिस इन्टेलीजेंस डॉ. राजीव पचार, उप महानिरीक्षक पुलिस एवं निदेशक, इन्टेलीजेंस प्रशिक्षण अकादमी जयपुर के प्रशिक्षणार्थी एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

अंत मे प्रशिक्षणार्थियों ने अतिथियों का हरित अभिवादन किया।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव ने किया सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण) सदस्य सचिव ,राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) धौलपुर सतीश चंद के मार्गदर्शन में आज दिनांकः- 19 जुलाई 24 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धौलपुर की सचिव एडीजे रेखा यादव ने जिले में पीडित महिलाओं की सहायता हेतु महिला अधिकारिता विभाग द्वारा निर्भया योजना के अंतर्गत संचालित सखी वन स्टॉप सेन्टर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सचिव यादव द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा पीडित महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया एवं वन स्टॉप सेंटर द्वारा संधारित रजिस्टरों का अवलोकन किया तथा मौजूद स्टाफ को आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में पीडित महिलाओं के विधिक सहायतार्थ एवं उनकी सुरक्षा हेतु सखी वन स्टॉप सेंटर संचालित किये गये हैं। पीडित एवं जरूरतमंद महिलाओं को सखी सेन्टर द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का लाभ उठाना चाहिए। सखी वन स्टॉप सेन्टर के अन्तर्गत सभी प्रकार की हिंसा से पीडित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर अस्थाई आश्रय, पुलिस डेस्क, विधिक सहायता, चिकित्सा एवं काउन्सलिंग की सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।

रात्रि चौपाल मरैना में संभागीय आयुक्त ने सुनी परिवेदनाएं, ग्रामीणों की समस्याओं पर त्वरित निस्तारण के दिये निर्देश

चमकता राजस्थान

धौलपुर, 19 जुलाई। संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने गुरुवार को मरैना में रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की परिवेदनाओं को सुना। उप तहसील कार्यालय में आयोजित रात्रि चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा रात्रि चौपाल में पहुंचे तो ग्रामीणों स ने क्षेत्र के विकास हेतु पानी, बिजली, सड़क,चिकित्सा आदि बुनियादी व्यवस्थाओं के संबंध संभागीय आयुक्त को परिवाद प्रस्तुत किये। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त ने कहा कि अच्छी

बात है कि गांव के लोग जागरूक हैं तथा सार्वजनिक एवं क्षेत्र के विकास हेतु आवश्यकताओं को प्रस्तुत किया है। चौपाल में उन्होंने ग्रामीणों की की समस्याओं पर सम्बंधित अधिकारियों से जानकारी लेते हुए निस्तारण की दिशा में कार्यवाही हेतु निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में हैडपंप संबंधी परिवेदना पर विकास अधिकारी को मौका देखकर जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में पीएम आवास में नए नाम जुड़वाने की परिवेदनाओं पर अवगत कराया कि जैसे ही पोर्टल पर नाम जोड़ने की प्रक्रिया शुरू होते ही तो पात्र वंचित लोगों को लाभान्वित किया जा सकेगा। चौपाल में ग्रामीणों ने राशन संबंधी समस्याएं, पेयजल, विद्युत, सीसी सडक, पीएम आवास, हैडपम्प, नवीन सडकें बनाने आदि परिवेदनाओं को प्रस्तुत किया। इस पर संभागीय आयुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार प्रस्ताव एवं तकमीना बनाकर भेजने की बात कहीं। इस दौरान संभागीय आयुक्त ने हर परिवादी की समस्या को संवेदनशीलता पूर्वक सुना और संबंधित विभागीय अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को समाज कल्याण विभाग द्वा-रा पालनहार योजना, एकल नारी पेंशन योजना, निशक्तजन पेंशन योजना की जानकारी दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर ब्रह्मलाल जाट, उपखंड अधिकारी राजाखेड़ा मनीषा मीणा सहित सभी विभागों के जिला और ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं स्थानीय जन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

समुदाय विशेष के नाम पर अशोक गहलोत ने 5 साल तक की थी तृष्टीकरण की राजनीतिः- मुकेश दाधीच

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सोशल मीडिया पर जारी बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी ने देश का विभाजन ही धर्म के नाम पर किया था और आज उस पार्टी के नेता धर्म और अधर्म की बात कर रहे है। जो कि ''900 चूहे खाकर बिल्ली चली हज को'' कहावत को चरितार्थ कर रहे है। उन्होंने कहा कि ऐसे लगता है कि कांग्रेस का नेतृत्व 99 के फेर में उलझा हुआ है और नित नई बयानबाजी करके समाचारों में बने रहने की अपनी चाह को तुष्ट कर रहे है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से पूछा कि जयपुर की एक रोड रेज की घटना में समुदाय विशेष को 50 लाख किस आधार पर दिये थे और उन्हीं के शासन में कन्हैया लाल की हत्या होने पर वे चुप कैसे रहे थे? उन्होंने कहा कि झालावाड़ में श्रीकिशन वाल्मिकी, अलवर में हरीश जाटव, योगेश जाटव, चिरंजीलाल सैनी और जयपुर में ही मनु वैष्णव की हत्या हो जाने पर किस आधार पर चुप्पी साध ली थी।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि अच्छा होता पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के नेता आत्म मंथन करते कि राजस्थान की जनता ने उन्हें क्यों नकार दिया था। अशोक गहलोत को भगवान श्रीराम से जुड़े हुए सारे श्रद्धा केंद्र आज याद आ रहे है जब भगवान राम के अस्तित्व पर उनके आलाकमान द्वारा सवाल उठाये जा रहे थे तब वे मुंह में दही जमाकर क्यों बैठे थे। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत ही मुख्यमंत्री थे तब जयपुर बम ब्लास्ट के गुनाहागारों को कोर्ट से राहत मिल गई थी क्योंकि सरकार ने पैरवी नहीं की थी, उन गुनहगारों को बचाने वाले गहलोत जिन धर्म स्थलों का नाम ले रहे है वहाँ जाकर प्रायश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 543 में से 99 सीट लाकर जश्न मनाने वाले कांग्रेसी नेता यह भूल गये है कि देश की जनता ने कई राज्यों में उनका खाता भी नहीं खुलने दिया।

आम सूचना

मैं सनी महेश्वर पुत्र भगवान सिंह जाति जाटव निवासी डोमपुरा पोस्ट मडासिल तहसील सरमथुरा जिला धौलपुर राजस्थान का निवासी हूं!

1. मैं वहल्फ सही ब्यान करता हूँ कि मेरे दिनांक :–31/8/2022 को शाम 9 :00 बजे मेरे शिक्षा संबंधी, कागजात, जी एन एम की अंक तालिका, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, 10 वीं, 12 वी, की अंक तालिका, पैन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड , मूल कागजात कहीं रास्ते में गुम हो गए हैं!
2. मैं वहल्फ सही बयान करता हूँ कि मुझे मेरे मूल कागजात आज दिनांक तक प्राप्त नहीं हुए हैं !तथा मैंने आज तक काफी देखभाल और पूछताछ करने पर मुझे प्राप्त नहीं हुए है!
3. मैं शपथ पूर्वक सही बयान करता हूँ कि इस शपथ पत्र को अखबार में निकलवाने बाबत मीडिया को प्रस्तुत कर रहा हूँ!
4. मैं शपथ पूर्वक सही वयान करता हूँ कि शपथ पत्र की मद संख्या 1 लगायत 03 मेरे जाति ईल्म से सही व दुरूस्त हैं! तस्दीक आज दिनांक :–19/07/2024 को बाड़ी की गयी!

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929